वर्ष : 16 ❖ अंक : 288 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 01 जून 2022

मोदी जी, नोटबंदी की चोट भूला नहीं है देश : राहुल 3

इलावेनिल, रमिता और श्रेया ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता 8

सभी बेघरों को आवास देना सीएम का सपना : कृष्णा राई

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 31 मई । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) की पत्नी श्रीमती कृष्णा राई ने आज नामची के एनएमसी हॉल में पोकलोक-कामरांग, नामची-सिंगीथांग तथा मेल्ली क्षेत्रों के कुल 76 एसएजीवाई योजना के लाभान्वितों को योजना के अंतर्गत नवनिर्मित आवासों की चाबियां प्रदान कीं।

कार्यक्रम में मेल्ली की विधायक श्रीमती फरवंती तमांग, दक्षिण जिलाध्यक्ष श्रीमती छिरिंग डेम भूटिया, मुख्यमंत्री की अतिरिक्त राजनीतिक सचिव सुश्री अंजिता राजालिम, एससीपीसीआर चेयरमैन श्रीमती रमा तमांग, कौशल विकास चेयरमैन सतीश चन्द्र राई, आवास व भवन चेयरमैन ताशी दोर्जी तमांग, नामची नगर परिषद चेयरमैन गणेश राई, उपाध्यक्ष श्रीमती सावित्री तमांग के अलावा काउंसिलर, सम्बंधित जीपीयू के पंचायत, नामची एसडीएम श्रीमती रजनी पेगा, बीडीओ श्रीमती बबिता राई, नामची बीडीओ तेनजिंग भूटिया एवं अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में श्रीमती कृष्णा राई ने एसजीएवाई योजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2020 में यह योजना उस समय आरम्भ हुई थी, जब पूरा देश महामारी की चपेट में था और लॉकडाउन लागू था। उन्होंने बताया, इसके बावजूद एसजीएवाई योजना में आवास निर्माण कार्य नहीं रुका और लाभान्वितों को निर्धारित समय में आवास मुहैया कराने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के कारण इस पर निरंतर कार्य होता रहा। इसके लिये उन्होंने सम्बंधित क्षेत्रों के बीडीओ तथा ठेकेदरों के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्रीमती राई ने कहा कि योजना के पहले चरण में पोकलोक-कामरांग क्षेत्र के कई लाभान्वितों को आवास दिये गये हैं। इसके बावजूद जिनलोगों को यह नहीं प्राप्त हुआ है, उन्हें भी दूसरे चरण में अवश्य इसे प्रदान किया जायेगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) का एक सपना है कि सिक्किम में कोई भी बेघर न रहे और हर एक व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन जी सके। इसलिए उन्होंने सम्बंधित पंचायतों से अपने वार्ड में लोगों तक यह बात पहुंचाये कि जिनलोगों को एसजीएवाई आवास नहीं मिले हैं, उन्हें आने वाले दिनों में अवश्य ये प्राप्त होंगे।

इस दौरान एक आंकड़ा देते हुए श्रीमती राई ने बताया कि अभी तक प्राप्त धनराशि के आधार पर योजना के अंतर्गत 3,334 लाभान्वितों को नये आवास दिये जा चुके हैं। आने वाले दिनों में नयी धनराशि मंजूरी पर और 10 हजार लाभान्वितों को नये आवास प्रदान किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने प्रति वर्ष आवासों के अपग्रेडेशन की संख्या बढ़ा कर 500 कर दी है। वहीं राज्य सरकार ने सड़क किनारे दुकान लगाने वालों की बेहतरी हेतु उन्हें दो लाख रुपये की गैरवापसीयोग्य ऋण देने का फैसला किया है। अपने सम्बोधन में राज्य सरकार की अम्मा योजना, वाहिनी योजना तथा वात्सल्य योजना समेत अन्य योजनाओं का जिक्र करते हुए राई ने राज्यवासियों की बेहतरी हेतु सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी।

वहीं कार्यक्रम में नामची बीडीओ तेनजिंग भूटिया ने एसजीएवाई योजना के तहत आवासों के वितरण हेतु श्रीमती कृष्णा राई के प्रति आभार जताया। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि एसजीएवाई योजना के अंतर्गत इन आवासें का निर्माण पूर्ववर्ती बीडीओ श्रीमती बबिता राई के प्रयासों के बिना मुमकिन नहीं था। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती कृष्णा राई ने उपस्थित लोगों से व्यक्तिगत तौर पर बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं।

कृषि परिदृश्य परिवर्तन के चरण में : मंत्री डॉ. शर्मा

क्लस्टर खेती शुरु कर आत्मनिर्भर बनें युवा : मंत्री लोकनाथ शर्मा

अनुगामिनी नि.सं.

खामदोंग, 31 मई । कृषि, बागवानी और पशुपालन तथा पशु चिकित्सा सेवा विभागों का जागरुकता-सह-टोकन वितरण कार्यक्रम खामडोंग निर्वाचन क्षेत्र के लिए आज सिमिक लिंगजे ग्राम प्रशासनिक केंद्र में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री-सह-क्षेत्र विधायक डॉ एमके शर्मा और माननीय मंत्री, कृषि, बागवानी और एएच एंड वीएस लोकनाथ शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कृषि आत्मनिर्भर योजना के तहत कृषि यंत्रीकरण उपकरण और कृषि उपज के वित्तीय प्रोत्साहन से कुल पांच सौ इकसठ परिवार लाभान्वित हुए। इसें वितरित पावर टिलर, चैफ कटर, कार्यात्मक पैक हाउस, कम लागत वाली ग्रीनहाउस प्लास्टिक, साइलेज बैग और उत्पादन वित्तीय प्रोत्साहन सहित कृषि उपकरण पर कुल एक करोड़, बीस लाख और निन्यानवे हजार रुपए खर्च हुए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री कृषि आत्मनिर्भर योजना के तहत चार सौ बीस (420) हितग्राहियों को अधिसूचित फसलों, सब्जियों, मसालों और फलों के उत्पादन पर प्रति किलोग्राम वित्तीय प्रोत्साहन राशि के चेक सौंपे गए।

मंत्री डॉ एमके शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम उनके निर्वाचन क्षेत्र के कृषक समुदाय के लिए बहुत ही खास था। वर्तमान में कृषि परिदृश्य परिवर्तन के चरण में है और सभी को पर्याप्त ज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षित कौशल के साथ इसे अद्यतन करना चाहिए। उन्होंने किसानों से अनुभाव आधारित ज्ञान के साथ ही खेती के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। किसानों को सभी सुविधाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी हासिल करनी चाहिए और पूरी क्षमता के साथ खेती की प्रथा से खुद को जोड़ना चाहिए। उन्होंने खेती की प्रतिष्ठित गरिमा को रेखांकित किया और इस पेशे को विश्व स्तर पर सबसे अधिक टिकाऊ बताया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के उत्थान के लिए हरसंभव सहायता दी है, जबकि कृषक समुदाय को खुद को अधिक दृढ़ और पेशेवर बनने के लिए तैयार होने की जरूरत है। उन्होंने विभिन्न इलाकों के किसानों के बीच ज्ञान साझा करने के कार्यक्रम की भी सलाह दी ताकि घटती किस्मों के पुनरुद्धार के लिए उत्पादन स्तर को बढ़ाया जा सके। उन्होंने बताया कि कृषि, बागवानी और पशुपालन विभाग ने खामदोंग निर्वाचन क्षेत्र के लिए कृषि उपकरण और एक करोड़, बीस लाख, निन्यानवे हजार रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए हैं। उन्होंने पीएमकेएसवाई क्लस्टर को दो जीपीयू में लागू करने और किसानों के लिए जल संसाधन के सृजन की मांग भी रखी थी।

कृषि मंत्री लोकनाथ शर्मा ने अपने संबोधन में मानव समाज में एक पेशे के रूप में कृषि के महत्व पर जोर दिया और किसानों को खेती के एक आकर्षक और टिकाऊ पेशे को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षित युवाओं से क्लस्टर

खेती शुरू करने और आत्मनिर्भरता के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने सिमिक लिंगजी जीपीयू और डंग-डंग थासा में पीएमकेएसवाई क्लस्टर को लागू करने की घोषणा की, जिसके तहत प्रत्येक जीपीयू को लगभग दो करोड़ रुपये का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने खामदोंग-सिंगताम निर्वाचन क्षेत्र के शुष्क क्षेत्र में सात लाख रुपये की लागत से जल संसाधन के निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने नौ लाख पचास हजार रुपये की वित्तीय लागत पर असम लिंगजी जीपीके में कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित करने की भी घोषणा की।

उन्होंने कृषि आधारित पर्यटन के लाभों को व्यक्त किया और किसानों को आगंतुकों और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विज्ञापन के उन्नत साधनों का लाभ उठाने की सलाह दी। मंत्री शर्मा ने अमेरिकी यात्रा के अपने अनुभव साझा किए और स्थानीय किसानों को खेती करने और कृषि और अन्य संबद्ध क्षेत्रों के माध्यम से अपनी कमाई क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी बताया कि विपणन विकल्पों को चैनलाइज़ किया गया है, किसानों को भी आवश्यक मांग की पूर्ति करने में सक्षम होना चाहिए।

लोकनाथ शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पीएस तमांग के नेतृत्व में राज्य सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन के साथ कई कृषि योजनाओं की शुरुआत के साथ जैविक उत्पादों का सही मौद्रिक मूल्य सुनिश्चित किया है। सत्तारूढ़ सरकार ने ग्रामीण आबादी के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है और विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में धन का प्रवाह सुनिश्चित किया है। राज्य सरकार मुख्यमंत्री पशुधन समृद्धि योजना के तहत दूध के वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में सालाना पंद्रह करोड़ रुपये से अधिक प्रदान कर रही है। कुल 1450 बेरोजगार युवाओं को 'डेवलपमेंट थ्रू क्रेडिट' के तहत बाईस करोड़ का क्रेडिट प्रदान किया गया और वे कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में उद्यमी बने।

सचिव बागवानी श्री बीबी सुब्बा ने बताया कि विभाग द्वारा वित्तीय प्रोत्साहन राशि वितरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री कृषि आत्मनिर्भर योजना के तहत लाभार्थियों को चेक के रूप में राशि प्रदान की जाती है। तीन हजार से अधिक उत्पादन प्रोत्साहन योजना की राशि चेक में तथा तीन हजार से कम की राशि सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की जाएगी। उन्होंने किसानों को परम्परागत कृषि और एकीकृत खेती के लिए भी प्रोत्साहित किया।

संगठनों के कार्यकारी पद पर नहीं रह सकेंगे सरकारी कर्मचारी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 31 मई । सिक्किम सरकार के एक नए कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, सरकारी कर्मचारी खेल, साहित्य, कला, संस्कृति और पूर्व छात्रों से संबंधित संघों या संगठनों के कार्यकारी सदस्य नहीं हो सकते हैं।

ज्ञापन में कहा गया है, राज्य सरकार के कर्मचारियों को परिपत्र संख्या 95/जनरल/डीओपी दिनांक: 10.06.2003 के तहत जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किसी भी संगठन में शामिल होने या पहले से प्राप्त पद पर रहने के लिए राज्य सरकार की पूर्व अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता है। हाल ही में, यह देखा गया है कि राज्य सरकार के कर्मचारी विभिन्न संगठनों / संघों में कार्यकारी पदों पर रहने की अनुमति देने के लिए अनुरोध कर रहे हैं।

इसमें कहा गया है कि इसलिए, सिक्किम सरकार के कर्मचारी आचरण नियम, 1981 के तहत प्रदान किए गए निर्देशों के क्रम में, राज्य सरकार यह निर्णय लेती है कि अब से सरकारी कर्मचारियों को केवल संगठनों/संघों के सामान्य सदस्य बनने की अनुमति दी जा सकती है और वे उसमें कोई कार्यकारी पद धारण नहीं करेगा।

विभिन्न संघ/संगठन में पहले से ही कार्यकारी पदों पर कार्यरत सरकारी कर्मचारी इस निर्देश के अनुपालन में ऐसे पदों को त्याग देंगे। ज्ञापन में कहा गया है, हालांकि, सरकारी कर्मचारियों को केवल खेल, साहित्य, कला, संस्कृति, पूर्व छात्रों और सेवा मामलों से संबंधित संघों / संगठनों में कार्यकारी पदों पर रहने की अनुमति होगी।

फर्जी सीओआई मामले में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 31 मई । एक कथित फर्जी सीओआई मामले के याचिकाकर्ता नीम पिंछो भूटिया ने आज यहां सिक्किम उच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि अदालत ने मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया है और अगले कुछ दिनों में इसे सुनाये जाने की उम्मीद है।

इस दौरान भूटिया ने बताया कि हमने भीम बहादुर कामी नामक एक व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज करवायी है, जिसने अपने तथा परिवार के सदस्यों की फर्जी सीओआई बनवायी और उसके आधार पर एलटी गुमाने कामी का वंशज होने का दावा कर रहा है। हालांकि, 17 दिसम्बर 2019 को अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट की अदालत ने भीम बहादुर कामी और उसके परिवार की फर्जी सीओआई को खारिज कर दिया है। लेकिन उन्होंने सिक्किम उच्च न्यायालय में इसे चुनौती दी है। मैं भी इस मामले में एक प्रतिवादी हूं। हमें उम्मीद है कि अदालत शीघ्र ही हमारी उम्मीद के अनुरूप ही अपना फैसला सुनायेगा।

इससे पहले आज अदालत में मामले की सुनवाई

के दौरान अच्छी-खासी संख्या में लोग एकत्रित हुए थे। इनमें सिक्किम नागरिक संघ के वरिष्ठ नेता छितेन ताशी भूटिया और भरत बस्नेत भी शामिल थे। इसके बाद पिंछो भूटिया और अन्य लोगों ने लाल बाजार के लाकपा शेरपा के नेतृत्व में शहरी विकास विभाग के कार्यालय में जमा होकर फर्जी सीओआई का विरोध किया। इस दौरान उनलोगों ने टेक बहादुर छेत्री नामक व्यक्ति का ट्रेड लाइसेंस रद्द करने की मांग की, जो अभी भी अपना कारोबार कर रहा है।

फर्जी ट्रेड लाइसेंस रद्द करने की मांग को लेकर पूर्व मंत्री छितेन ताशी भूटिया ने स्थानीय लोगों के साथ शहरी विकास विभाग के (शेष पृष्ठ ०३ पर)

गरीब कल्याण सम्मेलन में शामिल हुए सिक्किम के लाभार्थी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 31 मई । पूरे देश के साथ-साथ सिक्किम ने भी आज विभिन्न केंद्रीय सरकारी योजनाओं/कार्यक्रमों के लाभान्वितों के साथ हिमाचल प्रदेश के शिमला से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअल परिचर्चा एवं राष्ट्र के नाम सम्बोधन कार्यक्रम में शिरकत की। प्रधानमंत्री ने इस पर आयोजित गरीब कल्याण सम्मेलन को सम्बोधित किया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की एनडीए सरकार के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर आयोजित की गया।

सिक्किम के लिये यह कार्यक्रम गंगटोक के सम्मान भवन में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने की। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम में राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री सोनम लामा, ऊर्जा मंत्री एमएन शेरपा के साथ ही लोकसभा सांसद, विभिन्न क्षेत्रों के विधायक, मुख्य सचिव, पंचायत, अधिकारी, एसएलबीसी तथा एसबीआई के प्रतिनिधि एवं योजनाओं के लाभान्वितों ने शिरकत की।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के जुड़ने से पहले राज्य में विभिन्न योजनाओं के लाभान्वितों ने मुख्यमंत्री तमांग के साथ चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं से सम्बंधित जानकारियां पेश की और इनके कार्यान्वयन तथा इन पर फीडबैक देने हेतु लाभान्वितों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी एवं सतत कार्यान्वयन में सिक्किम ने एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है।

इससे पहले ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव सीएस राव ने अपने स्वागत भाषण में सिक्किम राज्य में लागू होने वाली विभिन्न केंद्र सरकारी योजनाओं/कार्यक्रमों पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला। इस सम्बंध में उन्होंने लाभान्वितों से अपने-अपने में लागू होने वाली इन योजनाओं के बारे में फीडबैक देने को कहा।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम में लागू केंद्रीय योजनाओं में पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य व वेलनेस योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शामिल हैं। इनके अलावा शहरी इलाकों के लिये तीन अतिरिक्त योजनाएं भी चलायी जा रही हैं।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के लाभान्वितों से वर्चुअल माध्यम से बात भी की ।

वहीं इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश भर के राज्यों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 11वीं किश्त के तौर पर 21 हजार करोड़ की धनराशि बैंक खातों में ट्रांसफर की।

वहीं राष्ट्र के नाम अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने हरेक भारतवासी की आर्थिक समृद्धि, सामाजिक विकास तथा सुरक्षा मुहैया कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। साथ ही उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के अपने आदर्श वाक्य के साथ पिछले आठ वर्षों में देश में जन परिसेवा, सुशासन तथा समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किये गये विकास कार्यों के बारे में कहा। यहां के सम्मान भवन में आयोजित उक्त कार्यक्रम का समापन आरडीडी की विशेष सचिव श्रीमती सारिका प्रधान के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

गरीब कल्याण सम्मेलन में लाभार्थियों ने बांटे अपने अनुभव

अनुगामिनी का.सं.

नामची, 31 मई । 'गरीब कल्याण सम्मेलन' के अंतर्गत विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ प्रधानमंत्री की चर्चा में आज नामची जिला प्रशासन ने शिरकत की। हिमाचल प्रदेश के शिमला से प्रसारित इस चर्चा के लिये जिला प्रशासन केंद्र में आज एक वर्चुअल जिला स्तरीय परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नामची जिलाध्यक्ष सुश्री छिरिंग डेम भूटिया मुख्य अतिथि थीं।

वहीं कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष भीम ल्हाखे, डीसी एम भरणी कुमार, एडीसी (विकास) सीपी राई के अलावा आरडीडी, स्वास्थ्य, कृषि विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न योजनाओं के लाभुकगण मौजूद रहे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुश्री छिरिंग डेम भूटिया ने इस प्रकार की परिचर्चाओं से सकारात्मक फीडबैक प्राप्त होते हैं, जिससे नीति निर्माताओं को योजनाओं के और प्रभावी कार्यान्वयन में मदद मिलती है। इससे आने वाले दिनों में पूरे देश के साथ ही हमारे राज्य के विकास का रास्ता सुदृढ़ होगा।

वहीं उन्होंने उपस्थित विभागीय अधिकारियों से योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लागू करने की दिशा में लाभुकों की सहायता हेतु और जागरूक होने को कहा।

कार्यक्रम में अपने वक्तव्य में डीसी एम भरणी कुमार ने बताया कि आजादी के 75वें वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'गरीब कल्याण सम्मेलन' का आयोजन किया गया है। इसमें निर्वाचित जन प्रतिनिधियों एवं सम्बंधित अधिकारियों और लाभान्वितों के साथ राष्ट्रव्यापी फलदायी चर्चा से योजनाओं के कार्यान्वयन तथा इसे और प्रभावी तौर पर लागू करने में मदद मिलेगी। इस दौरान जिले में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के लाभान्वितों ने अपने अनुभव साझा किये।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार इन योजनाओं ने उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाते हुए उनकी जीविका पर भी प्रभाव डाला है। साथ ही उन्होंने इस दौरान होने वाली समस्याओं को भी सबके सामने रखा। बाद में सभी ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का वर्चुअल सम्बोधन सुना।

अस्पताल के बिस्तर से आजम खान ने बताया जेल का दर्द, अखिलेश यादव से नाराजगी पर भी बोले

लखनऊ, 31 मई (एजेन्सी)। हाल ही में जेल से बाहर आए समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान इन दिनों दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती हैं। राहत की बात यह है कि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। इस बीच आजम खान ने अस्पताल के बिस्तर से ही एक टीवी इंटरव्यू में एक बार फिर जेल में बिताए अपने दिनों को याद करते हुए कहा है कि कब्र से कुछ ही बड़े कमरे में उन्हें रखा गया था। इस दौरान उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से नाराजगी के सवाल पर भी जवाब दिया और कहा कि इसकी कोई वजह नहीं है।

आजम खान ने एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा, ''14 कोठरियां थीं, उन सबमें कबाड़ भरा था। उनमें से एक कोठरी में मैं और अब्दुल्ला थे। बाद में मैं अकेला रह गया था। सुबह 6 बजे खोले जाते थे और शाम साढ़े 6 बजे हमारे लिए डबल लॉक लगा दिया जाता था। 8 बाय 11 का कमरा था। कब्र से थोड़ी बड़ी जगह थी। उसी में टॉयलेट था। बराबर थोड़ी सी दूरी पर बीवी भी बंद दी। यह अहसास हुआ कि आखिर हम से इतनी घृणा की वजह क्या है।''

आजम खान से पूछा गया कि बाहर निकलने का उनका हौसला टूट रहा था या मजबूत हो रहा था? आजम खान ने कहा कि हालात तो कुछ ऐसे ही थे। बहुत कम उम्मीद थी। सुप्रीम कोर्ट ने तारीख कायम कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने तय भी कर दिया कि वह सुप्रीम हैं। आजम खान अखिलेश यादव से नाराज हैं? इस सवाल के जवाब में आजम ने कहा, ''ना मुझे नाराज होने का कोई हक है ना इसकी कोई वजह है।'' उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें देश का सबसे बड़ा माफिया कहा गया, लेकिन कहीं से कोई आवाज नहीं निकली।

कपिल सिब्बल को राज्यसभा के लिए समर्थन दिए जाने के सवाल पर आजम खान ने कहा, ''उनके (अखिलेश यादव) वास्ते भी बहुत अच्छे हैं। आज से नहीं, मुझसे पहले से, उनके वालिद से रिश्ते अच्छे हैं। लेकिन मुझे उनके राज्यसभा भेजे जाने की खुशी है।'' ओपी राजभर की ओर से यह कहे जाने पर कि अखिलेश यादव को एसी कमरे से बाहर निकलना चाहिए, आजम ने कहा कि अभी उनकी मुलाकात ज्यादा और वह उनकी जिंदगी जीने के तरीके से ज्यादा वाकिफ हैं।

अखिलेश यादव को सलाह दिए जान को लेकर आजम ने कहा, ''वह मेरा दर्जा नहीं है, जब मेरी समझ में अपना दर्जा आ गया है तो उसका हक भी नहीं। हवाई सलाह से कोई फायदा नहीं। सलाह तब दी जाती है जब सलाह ली जाए।'' हौसला टूट जाने के सवाल पर सपा नेता ने कहा, ''मेरा वजूद बाकी है, मेरी आवाज बाकी है. मेरी सांसें बाकी है, मैं कदमों से अपनी से चल सकता हूं। यही मेरी हिम्मत का सबूत है कि मैं जिंदा हूं। जिंदा हूं तो जिंदा हूं।''

राष्ट्रपति ने एक कीर्ति चक्र, 14 शौर्य चक्र प्रदान किए

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में एक रक्षा अलंकरण समारोह के दौरान एक कीर्ति चक्र (मरणोपरांत) और 14 शौर्य चक्र (आठ मरणोपरांत सहित) प्रदान किया।

उन्होंने असाधारण क्रम की विशिष्ट सेवा के लिए 13 परम विशिष्ट सेवा पदक और 29 अति विशिष्ट सेवा पदक भी प्रदान किए।

विशिष्ट वीरता, अदम्य साहस और कर्तव्य के प्रति अत्यधिक समर्पण के लिए सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के पुलिस बलों के कर्मियों को वीरता पुरस्कार दिए गए।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के सिपाही अल्ताफ हुसैन भट को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

जम्मू-कश्मीर के एसपीओ शाहबाज अहमद, सीआरपीएफ के कोबरा बल के हेड कांस्टेबल अजीत सिंह और कांस्टेबल विकास कुमार और पूर्णानंद, सीआरपीएफ के 118 बीएन के हेड कांस्टेबल कुलदीप कुमार उरावन, ओडिशा पुलिस के कमांडो देबासिस सेठी और सुधीर कुमार टुडू को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। वायुसेना के पायलट, विंग कमांडर (अब ग्रुप कैप्टन) वरुण सिंह को भी मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट चितेश कुमार, सब इंस्पेक्टर मनजिंदर सिंह और कांस्टेबल सुनील चौधरी को भी एक प्रशस्तिपत्र के साथ शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

शौर्य चक्र पुरस्कार पाने वालों में अन्य हैं सीआरपीएफ की 205 कोबरा यूनिट के डिप्टी कमांडेंट दिलीप मलिक, सीआरपीएफ की 54वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट अनिरुद्ध प्रताप सिंह और भारतीय नौसेना के कैप्टन (अब कमोडोर) सचिन रूबेन सिकेरा शामिल हैं।

दुनिया में मंकीपॉक्स के बढ़ते खतरे के बीच सतर्क हुई भारत सरकार, गाइडलाइंस जारी

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। अलग-अलग देशों में मंकीपॉक्स के मामले बढ़ते जा रहे हैं। मंकीपॉक्स के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारतीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने गाइडलाइंस जारी की हैं। हालांकि अभी तक भारत में इस बीमारी का एक भी केस सामने नहीं आया है। इसके बावजूद सरकार एहतियात के स्तर पर किसी तरह की लापरवाही नहीं चाहती है। यही वजह है कि मंत्रालय ने दिशानिर्देश जारी की है, ताकि बीमारी या इसके लक्षणों को लेकर किसी तरह की गलतफहमी न रहे। साथ ही अगर आगे चलकर कोई केस आता है तो उस समय के हालात को बेहतर ढंग से मैनेज किया जा सके।

मंत्रालय की गाइडलाइन के मुताबिक लैब में टेस्टिंग के बाद ही मंकीपॉक्स के केस को कंफर्म माना जाएगा। इसके लिए पीसीआर या डीएनए टेस्टिंग का तरीका ही मान्य होगा। अगर कोई संदिग्ध मामला आता है कि राज्यों और जिलों में बने इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम के नेटवर्क के जरिए इसका सैंपल आईसीएमआर-एनआईवी के पुणे स्थित शीर्ष लैब में भेजा जाएगा। वहीं मंकीपॉक्स से पैदा हुए हालात से निपटने के लिए जो दिशानिर्देश जारी किए गए हैं, उसके मुताबिक सभी इंतजाम महामारी विज्ञान के तहत किए जाने हैं। इसमें बीमार और उसकी देखभाल, डायग्नोसिस, केस मैनेजमेंट और रिस्क संबंधी फैक्टर्स पर ध्यान देने की बात कही गई है।

मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों में देखभाल और नए केसों की तेजी से पहचान पर भी जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक बीमारी के पहुंचने पर रोक लगानी होगी। साथ ही इंफेक्शन रोकने और नियंत्रण के तरीकों के बारे में भी विस्तार से बताया गया है। घर पर इंफेक्शन रोकने और उन्हें नियंत्रण करने, मरीज को आइसोलेशन में रखने और एंबुलेंस ट्रांसफर की रणनीति के बारे में भी जानकारी दी गई है। साथ ही यह भी बताया गया है कि आइसोलेशन के दौरान किस तरह की सावधानी बरती जाए।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के खिलाफ 'कारण बताओ' नोटिस, मुंबई स्थित बंगले को लेकर मांगा जवाब

मुंबई, 31 मई (एजेन्सी)। मुंबई में तटीय प्रबंधन निकाय ने तटीय नियामक क्षेत्र मानदंडों के कथित उल्लंघन के मामले में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया है। यह नोटिस उनके जुहू इलाके में स्थित बंगले को लेकर जारी हुआ है। इससे पहले, नगर निकाय ने कथित रूप से अनधिकृत निर्माण के मामले में राणे के 'अधीश' बंगले को लेकर भी उन्हें नोटिस जारी किया था। जिला स्तरीय तटीय प्रबंधन समिति द्वारा 24 मई को जारी हालिया नोटिस में 'मेसर्स आर्टलाइन प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड' को 10 जून को दोपहर 11 बजे जिलाधिकारी के समक्ष व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पेश होने को कहा गया है।

नोटिस में यह बताने को कहा गया है, 'इस उक्त निर्माण को स्वीकृत एफएसआई (तल क्षेत्र सूचकांक) से अधिक और अनधिकृत निर्माण करके 11 जुलाई, 2007 के सीआरजेड एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) का उल्लंघन क्यों नहीं माना जाना चाहिए।' यह नोटिस महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण (एमसीजेडएमए) के सचिव और पर्यावरण निदेशक से की गई शिकायत के आधार पर और सीआरजेड मानदंडों के कथित उल्लंघन के लिए जारी किया गया है।

उल्लेखनीय है कि 'आर्टलाइन प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड' का एक अन्य कंपनी में विलय हो गया है, जिसमें राणे और उनके परिवार के शेयर हैं। मुंबई उपनगर जिलाधिकारी और जिला स्तरीय तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण (डीसीजेडएमए) की अध्यक्ष निधि चौधरी ने कहा, 'डीसीजेडएमए ने एमसीजेडएमए से मिली एक रिपोर्ट के आधार पर नोटिस जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि उक्त बंगले को एफएसआई एक के लिए सीआरजेड अनुमति मिली है, लेकिन यह निर्माण उक्त अनुमति से अधिक है।'

नोटिस में कहा गया है, 'अगर आप अनुपस्थित रहते हैं और कोई स्पष्टीकरण नहीं देते हैं, तो समिति यह मान लेगी कि आपको इस मामले पर कुछ नहीं कहना है और वह इस मामले में उचित निर्णय लेने या कदम उठाने के लिए आगे बढ़ेगी।'

कड़ी सुरक्षा के बीच सिद्धू मूसेवाला का अंतिम संस्कार, हजारों की भीड़ ने नम आंखों से दी विदाई

चंडीगढ़, 31 मई (एजेन्सी)। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला का उनके पैतृक गांव जवाहरके में कड़ी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किया गया। हजारों लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए और नम आंखों से अंतिम विदाई दी। आज ही मूसेवाला के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया था। उनके शरीर को लगभग दो दर्जन गोलियों ने छलनी कर दिया था। इस साल मूसेवाला ने कांग्रेस के टिकट पर पंजाब में विधानसभा चुनाव भी लड़ा था। रविवार की शाम उनकी हत्या कर दी गई थी।

सिद्धू मूसेवाला की अंतिम यात्रा उनके पसंदीदा 5911 ट्रैक्टर से निकाली गई। इसे फूल माला से सजाया गया था। मूसेवाला की कई मीडिया पोस्ट में यह ट्रैक्टर दिखायी देता था। इसके अलावा ट्रैक्टर पर स्टील की एक एके 47 बनाकर रखी गई थी। वह बंदूक पसंद करते थे।

सिद्धू मूसेवाला को अंतिम विदाई देने के लिए लोगों को हुजूम उमड़ पड़ा। इसके चलते उनके अंतिम संस्कार के वेन्यू में भी बदलाव किया गया। सिद्धू के पिता ने अपनी पगड़ी उतारकर दुख जताते हुए वहां पहुंचे लोगों का शुक्रिया अदा किया।

सिद्धू क माता-पिता ने बिलखते हुए उन्हें अंतिम विदाई दी। वह अपने गानों में अकसर मूंछे ऐंठते नजर आते थे। इसलिए पिता ने भी उनकी मूछों पर ताव दिया। अंतिम यात्रा वाले वाहन में लिखा हुआ था, जिउंदा-वसदा रह। उसपर मूंछों पर ताव देने वाला फोटो भी लगा हुआ था।

बीजेपी ने साफ़ की रणनीति, कोई भी मुस्लिम चेहरा नहीं, ओबीसी उम्मीदवार को भेजेगी संसद

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। बीजेपी ने 10 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए 22 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। लेकिन इन उम्मीदवारों में कोई भी मुस्लिम चेहरा नहीं है।

इन सूचियों में केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नकवी, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे, पूर्व केंद्रीय मंत्री शिव प्रताप शुक्ला और राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम के नाम शामिल नहीं हैं।

सहस्त्रबुद्धे भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के अध्यक्ष हैं।

सूत्रों ने बताया कि नकवी को उत्तर प्रदेश की रामपुर लोकसभा सीट से उतारा जा सकता है, जिसके लिए 23 जून को उपचुनाव होना है। लेकिन राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने इस बार राज्य से आदित्य साहू को उम्मीदवार बनाया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार को और चार उम्मीदवारों की घोषणा की। पार्टी द्वारा जारी बयान के अनुसार, सुमित्रा वाल्मिकी को मध्य प्रदेश से, लाल सिंह सिरहोया को कर्नाटक से और उत्तर प्रदेश से अपने उम्मीदवार के रूप में मिथिलेश कुमार और के लक्ष्मण के नामों की घोषणा की।

पार्टी द्वारा जारी बयान के अनुसार, सुमित्रा वाल्मिकी को मध्य प्रदेश से, लाल सिंह सिरहोया को कर्नाटक से और उत्तर प्रदेश से अपने उम्मीदवार के रूप में मिथिलेश कुमार और ओबीसी शाखा के प्रमुख के लक्ष्मण के नामों की घोषणा की।

मिथिलेश कुमार शाहजहांपुर से लोकसभा के पूर्व सदस्य हैं। वह 2009 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर लोकसभा के लिए चुने गए थे। वह एक बार निर्दलीय (2002-2007) और फिर समाजवादी पार्टी के टिकट (2007-2012) पर शाहजहांपुर जिले के पोवायां विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे हैं। के. लक्ष्मण भाजपा के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वह भाजपा की तेलंगाना इकाई के पूर्व अध्यक्ष भी थे। इसके साथ ही भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए उप्र से आठ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने रविवार को उत्तर प्रदेश से कुल छह उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी।

इसके साथ ही राज्यसभा चुनावों के लिए भाजपा कुल 22 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। भाजपा ने रविवार को 18 उम्मीदवारों की घोषणा की थी।

रविवार को जारी उम्मीदवारों की सूची में भाजपा ने कर्नाटक से केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और महाराष्ट्र से पीयूष गोयल को मैदान में उतारा है।

बिहार में भाजपा ने सतीश चंद्र दुबे और शंभू शरण पटेल को टिकट दिया है।

उत्तर प्रदेश से लक्ष्मीकांत वाजपेयी, राधामोहन अग्रवाल, सुरेंद्र सिंह नगर, बाबूराम निषाद, दर्शन सिंह, संगीता यादव, मिथलेश कुमार और डॉ के लक्ष्मण भाजपा उम्मीदवार हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में कुल 273 विधायकों के साथ भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) अपने आठ उम्मीदवारों को आसानी से राज्यसभा का चुनाव जिता सकता है। वहीं कुल 125 विधायकों वाले सपा गठबंधन के पास अपने तीन उम्मीदवारों को जिताने लायक संख्या बल है।

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए कुल 31 सदस्य चुने जाते हैं जिनमें से 11 सदस्यों का चुनाव हो रहा है। इसके लिए मतदान आगामी 10 जून को होगा। जिन 11 सीटों के लिए चुनाव हो रहा है उनमें से भाजपा के पांच, सपा के तीन, बहुजन समाज पार्टी के दो तथा कांग्रेस के एक सदस्य का कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो रहा है।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 मई है। एक जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी और तीन जून तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। मतदान 10 जून को पूर्वाह्न नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा। उसी दिन मतगणना भी होगी।

राष्ट्रपति चुनाव से महज एक महीने पहले हो रहे राज्यसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण हैं।

हम रोज कोर्ट आ रहे हैं तो आप भी आइए, फिजिकल हियरिंग से दूर रहने वाले वकीलों को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि ग्रीष्म कालीन अवकाश के दौरान होने वाली सुनवाई में दलीलें पेश करने के लिए अधिवक्ता अदालत कक्ष में उपस्थित रहें। साथ ही अदालत ने ऐसे कुछ मामलों की सुनवाई टाल दी जिनमें अधिवक्ता वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित हुए थे।

न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की अवकाश पीठ ने कहा कि न्यायाधीश रोजाना अदालत आ रहे हैं और उचित होगा कि मुकदमों में दलीलें पेश करने के लिए अधिवक्ता भी अदालत आएं। पीठ ने कहा, 'हम रोज अदालत आ रहे हैं। आप भी आ सकते हैं और अपनी दलीलें पेश कर सकते हैं। अदालत कक्ष में मौजूद अधिवक्ताओं पर हम ध्यान देंगे।'

पहले, पीठ ने डिजिटल तरीके से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी द्वारा एक मुकदमे की जल्दी सुनवाई करने का अनुरोध ठुकरा दिया। अदालत ने उनसे कक्ष में पेश होकर दलीलें पेश करने को कहा।

पीठ ने कहा कि जब आप अदालत कक्ष में नहीं हैं तो हम आप पर ध्यान क्यों दें। अन्य अधिवक्ता अवकाश के दौरान यहां हैं। रोहतगी ने उसके बाद मामले को कल तक के लिए स्थगित करने का अनुरोध किया और कहा कि वे कल कक्ष में उपस्थित होकर दलीलें देंगे।

लाठी-डंडे से आदिवासी कपल को पीटा, बुजुर्ग की मौत; कमलनाथ बोले- उच्चस्तीय जांच हो

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। सागर के मालथौन में बुजुर्ग आदिवासी दंपति की हत्या का मामला अब गरमाता जा रहा है। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने अब इस मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। कमलनाथ ने एक ट्वीट कर कहा, 'दबंगों ने बुजुर्ग आदिवासी दंपति को लाठियों से बुरी तरह पीटा। घटना में बुजुर्ग आदिवासी व्यक्ति की मृत्यु हो गई। प्रदेश में कोई दिन ऐसा नहीं जाता जिस दिन किसी ना किसी आदिवासी पर जुल्म ना होता हो।'

एक अन्य ट्वीट में कमलनाथ ने कहा, 'मैं सरकार से मांग करता हूं कि आदिवासी हत्या की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और हत्यारों को सजा दी जाए।' बता दें कि जिले के मालथौन थाना क्षेत्र में एक आदिवासी बुजुर्ग और उसकी पत्नी को कुछ लोगो ने डंडों से पीटा था।

इसमें बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग की इस बात पर पिटाई कर दी गई थी कि उसने गांव के लोगों को अपने घर के पास लकड़ी काटने से रोका था। घटना के बाद से ही आरोपी फरार हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक़ लाठी-डंडे से पीट-पीटकर 60 वर्षीय सोमत आदिवसी की जान ली गई है।

इस मारपीट में मृतक बुजुर्ग की पत्नी रूपरानी भी घायल हैं। जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। बाद में यहां से उन्हें सागर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है। आरोपियों के गिरफ्तारी के प्रयास चल रहे है।

यूपी के विधायक खर्च कर सकेंगे पांच करोड़ रुपये, सीएम योगी ने निधि बढ़ाने की घोषणा की

लखनऊ, 31 मई (एजेन्सी)। यूपी विधानसभा में मंगलवार को चर्चा के बाद बजट को मंजूरी मिल गई। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी घोषणा की है। विधायक अब पांच करोड़ तक की निधि खर्च कर सकेंगे। पहले यह केवल तीन करोड़ थी।

विधायक निधि बढ़ाने की मांग काफी समय से हो रही थी। निधि बढ़ने से विधायक अपने-अपने क्षेत्र में ज्यादा विकास कार्य करा सकेंगे। इससे पहले दो बार सीएम योगी ने ही विधायक निधि बढ़ाया था। 2020 में विधायक निधि को दो करोड़ से बढ़ाकर तीन करोड़ किया गया था। इससे पहले 2019 में विधायक निधि डेढ़ करोड़ से 2 करोड़ की गई थी। कोरोना काल में विधायक निधि स्थगित कर दी गई थी।

विधायक निधि (स्थानीय क्षेत्र विकास निधि) में बढ़ोतरी का लाभ विधान परिषद सदस्यों को भी मिलेगा। विधायक निधि बढ़ाने की मांग बसपा के उमाशंकर सिंह ने रखी। इससे पहले बजट चर्चा के दौरान कांग्रेस की आराधना मिश्रा समेत कई विपक्षी दलों के सदस्यों ने भी विधायक निधि पांच करोड़ बढ़ाये जाने की मांग उठाई थी।

नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री की इस घोषणा का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार जताया और कहा कि सभी सदस्य इसमें बढ़ोतरी चाहते थे। मुख्यमंत्री ने उनके मन की बात मान ली। बताया जाता है कि हाल में हुई कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष यह मांग उठी थी। इस पर सीएम ने जल्द निर्णय लेने का भरोसा जताया था।

प्रदेश विधानसभा के रक्षकों का पौष्टिक आहार भत्ता बढ़ा दिया गया है। अब उन्हें पुलिस कर्मियों की ही तरह 1875 रुपये का पौष्टिक आहार भत्ता मिलेगा। अभी तक विधानसभा रक्षकों का पौष्टिक आहार भत्ता 950 रुपये मिल रहा था।

यह घोषणा संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने मंगलवार को विधानसभा में की। उन्होंने सत्र के दौरान विधानसभा के स्टाफ में चतुर्थ श्रेणी कार्मिक से लेकर प्रमुख सचिव तक के मानदेय में भी 1000 रुपये की बढ़ोत्तरी की घोषणा की। अभी तक उन्हें 12500 रुपये का यह मानदेय मिला करता था जो अब बढ़ाकर साढ़े तेरह हजार रुपये कर दिया गया है।

2014 से पहले की तुलना में हमारी सीमाएं अधिक सुरक्षित हैं : पीएम मोदी

शिमला, 31 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शिमला में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से पहले की तुलना में अब हमारी सीमाएं अधिक सुरक्षित हैं।

प्रधानमंत्री मोदी अपनी सरकार की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर शिमला पहुंचे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की सूची में से नौ करोड़ फर्जी नाम हटाए हैं। उन्होंने दावा किया कि कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के मुताबिक भी भारत में गरीबी घट रही है।

मोदी ने कहा, हमारी योजना देश के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज बनाने की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सरकार की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर रोड शो में हिस्सा लेने और रिज़ मैदान में एक रैली को संबोधित करने के लिए मंगलवार की सुबह शिमला पहुंचे।

मोदी ने यहां आयोजित गरीब कल्याण सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से पहले भारत भ्रष्टाचार, घोटाले, भाई-भतीजावाद और अफसरशाही के लिए दुनिया में जाना जाता था, लेकिन अब वक्त बदल गया है और यह देश भ्रष्टाचार से लड़ना, गरीबों के लिए संवेदनशील होना तथा देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए जाना जाता है।

दुनिया में अब भारत की चर्चा अपराध पर नकेल कसने और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करने के लिए की जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में भ्रष्टाचार से लड़ने के बजाय घुटने टेकने के लिए जाना जाता था।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया में देश के जन-धन खाते से घरों में गैस की सहूलियत, सम्मान से जीने के शौचालय, स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए आयुष्मान भारत योजना और देश की सुरक्षा के लिए एयर स्ट्राइक को लेकर की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के बैंक खातों में 22 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि स्थानांतरित की है।

मोदी ने कहा, 2014 से पहले की सरकार ने भ्रष्टाचार को प्रशासन का जरूरी हिस्सा मान लिया था, तब की सरकार भ्रष्टाचार से लड़ने की बजाय उसके आगे घुटने टेक चुकी थी, तब देश देख रहा था कि योजनाओं का पैसा जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने के पहले ही लुट जाता था।

उन्होंने साथ ही कहा कि आज देश की सीमाएं ज्यादा सुरक्षित हैं और भेदभाव का शिकार रहा देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र देश से जुड़ गया है।

सरकार अब माई-बाप नहीं बल्कि जनता जर्नादन की सेवक है। सरकार लोगों के जीवन में दखल नहीं दे रही है और उसे आसान बना रही है।

कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के लिए उनकी सरकार द्वारा किए गए उपायों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में कोविड-19 रोधी टीकों की करीब 200 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं।

उन्होंने रैली में कहा कि भारत ने विभिन्न देशों को कोविड-19 रोधी टीकों का निर्यात किया और हिमाचल प्रदेश की बद्दी औद्योगिक इकाई ने उन खुराकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री ने कहा, अब भारत मजबूरी में नहीं बल्कि दूसरों की मदद के लिए दोस्ती का हाथ बढ़ाता है, जैसा कि कई देशों को कोविड-19 रोधी टीके उपलब्ध कराकर किया गया। हिमाचल प्रदेश में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री मोदी राज्य में भाजपा सरकार की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के गृह जिले मंडी के पड्डुल मैदान में एक रैली को संबोधित करने के लिए पिछले साल 27 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश आए थे।

गैंगस्टर बिश्नोई को एनकाउंटर का डर, पहुंचा हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी की तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने अपनी जान को खतरा बताते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

बिश्नोई ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, क्योंकि इससे पहले एनआईए की एक अदालत ने उसकी याचिका को खारिज कर दिया था।

लॉरेंस बिश्नोई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपनी सुरक्षा को लेकर याचिका दायर की है। उसने हाईकोर्ट से मांग की है कि पंजाब पुलिस उसका एनकाउंटर कर सकती है, ऐसे में उसे सुरक्षा प्रदान की जाए और पंजाब पुलिस को उसे न सौंपा जाए।

बिश्नोई ने आरोप लगाया है कि राजनीतिक दबाव के चलते पंजाब पुलिस उसके साथ कुछ गलत कर सकती है।

बिश्नोई के वकील विशाल चोपड़ा ने कहा, 'मैंने अपने मुवक्किल के लिए उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की है। हमने अपनी याचिका में तिहाड़ जेल प्राधिकरण और दिल्ली पुलिस को निर्देश देने का अनुरोध किया है कि अगर पंजाब पुलिस ट्रांजिट या प्रोडक्शन रिमांड पर बिश्नोई को पंजाब ले जाने के लिए आती है, तो उसे पूरी सुरक्षा दी जानी चाहिए।'

चोपड़ा ने कहा, 'पंजाब पुलिस द्वारा फर्जी मुठभेड़ की आशंका और अन्य राज्यों के न्यायिक अधिकारियों द्वारा जारी किए गए प्रोडक्शन वारंट के कारण उसके खिलाफ मुकदमे में समझौता किया जा रहा है।'

वर्तमान में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद, बिश्नोई ने यह भी मांग की है कि उससे जो कोई भी पूछताछ या जांच की जानी है, वह जेल में ही कर ली जाए और पुलिस को उसे फिजिकल कस्टडी की अनुमति न दी जाए। हालांकि, अदालत ने उसकी याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि सुरक्षा राज्य का विषय है।

अब संभावना जताई जा रही है कि पंजाब पुलिस बिश्नोई को पंजाब ले जाने के लिए कभी भी दिल्ली आ सकती है।

बिश्नोई कथित तौर पर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब में उसके खिलाफ दर्ज पांच दर्जन से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। उसने एक बार बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कनाडा के एक गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई ने मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी ली है।

गायक से अभिनेता-राजनेता बने 29 वर्षीय सिद्धू मूसेवाला की रविवार को दिनदहाड़े पंजाब के मनसा में उनके पैतृक गांव के पास गैंगस्टरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पंजाबी गायक और रैपर की हत्या के बाद राजनीति गर्मा गई है।

कानूनी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 31 मई । सिक्किम उच्च न्यायालय की जस्टिस तथा सिक्किम स्टेट लीगल सर्विसेस अथोरिटी की कार्यकारी चेयरपर्सन श्रीमती मीनाक्षी मदन राई के निर्देशानुसार डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेस अथोरिटी, गंगटोक द्वारा तालुक लीगल सर्विसेस कमिटी के सहयोग से कल मिडल खेसे, सामदोंग में एक कानूनी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में गंगटोक के एलडी प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एवं सेशन जज प्रज्ज्वल खतिवाड़ा, एलडी सिविल जज सह न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री जाम्यांग भूटिया, हाई कोर्ट लीगल सर्विसेस के लीगल रिटेनर गुलशन लामा, वार्ड पंचायत सी. के. कोइराला, पीएलवी इंद्रा माया नेपाल मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन गुलशन लामा ने 'भूमि अधिग्रहण' इससे सम्बंधित अधिकारों के मुद्दे पर आमलोगों को जागरूक किया। वहीं एलडी सचिव, डीएलएसए, गंगटोक ने घरेलु हिंसा, बाल यौन हिंसा हेतु सुरक्षा, निःशुल्क कानूनी सेवाओं समेत अन्य कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए लोगों से साइबर अपराधों के प्रति जागरूक होने का आग्रह किया।

एलडी चेयरमैन, डीएलएसए, गंगटोक प्रज्ज्वल खतिवाड़ा ने ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए लोगों से कानूनी सेवाओं का लाभ उठाने को कहा। इस दौरान एक चर्चा सत्र का भी आयोजन किया गया जहां एलडी चेयरमैन और रिसोर्स पर्सन ने विभिन्न सवालों के जवाब दिये। कार्यक्रम का समापन डीएलएसए स्टाफ के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

मोदी जी, नोटबंदी की चोट भूला नहीं है देश : राहुल

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि वह जानबूझकर गलतियां करते हैं और उन्होंने नोटबंदी कर जो घाव दिए हैं देश की जनता चोट को भूली नहीं है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को नोटबंदी को जानबूझ कर की गई गलती बताते हुए कहा, 8 नवंबर 2016, नोटबंदी के नाम पर देश को अचानक लाइन में लगा दिया गया। लोग अपना ही पैसा निकालने के लिए तरस गए, कई घरों में शादियां थी, बच्चों और बुजुर्गों के इलाज चल रहे थे। गर्भवती महिलाएं थी लेकिन लोगों के पास पैसे नहीं थे। घंटों लाइन में लगने की वजह से कई लोगों की मृत्यु हो गई।

राहुल ने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के हवाले से खबर आयी कि बैंक में पहुंचे 500 रूपये के 101.9 फीसदी और 2 हजार के 54.16 प्रतिशत से ज्यादा नोट, जाली हैं।

उन्होंने पीएम मोदी से सवाल किया, 2016 में जहां 18 लाख करोड़ 'कैश इन सकुर्लेशन' में था, वहीं आज 31 लाख करोड़ 'कैश इन सकुर्लेशन' में है। सवाल है कि आपके 'डिजिटल इंडिया', 'कैशलेस इंडिया' का क्या हुआ, प्रधानमंत्री जी?

राहुल ने कहा, नोटबंदी के वक़्त मैंने कहा था कि ये 'राष्ट्रिय त्रासदी' है। गलतफहमी में मत रहिए- मोदी जी से गलती नहीं हुई, ये जानबूझ कर किया गया है ताकि आम जनता के पैसे से 'मोदी-मित्र' पूंजीपतियों का लाखों करोड़ रुपये कर्ज माफ किया जा सके और उनके कालेधन को सफेद किया जा सके। राजा के एक तानाशाही फरमान ने जनता को कभी न भूल पाने वाली चोट दी है, नोटबंदी का दर्द देश कभी नहीं भूलेगा।

इससे पहले रविवार को भी राहुल गांधी ने मीडिया की एक रिपोर्ट के स्क्रीनशॉट टैग किया था जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 500 रुपये के जाली नोट में 100 फीसदी और 2000 रुपये के जाली नोट में 50 फीसदी की वृद्धि हुई। ये दोनों नोट 500 और 1000 रुपये के पुराने नोट पर प्रतिबंध लगाने के बाद जारी किए गए थे। उन्होंने ट्वीट किया, नोटबंदी की एकमात्र दुर्भाग्यपूर्ण कामयाबी भारत की अर्थव्यवस्था का डूबना है।

गरीब कल्याण सम्मेलन में लोगों ने प्रधानमंत्री का भाषण सुना

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 31 मई । विभिन्न केंद्र सरकारी योजनाओं के लाभान्वितों के साथ प्रधानमंत्री का वर्चुअल संवाद 'गरीब कल्याण सम्मेलन' आज मंगन जिला प्रशासनिक केंद्र के इलेक्शन हॉल में आयोजित हुआ। इस अवसर पर जोंगू विधायक पिंछो नामग्याल लेप्चा मुख्य अतिथि थे। वहीं उनके अलावा कार्यक्रम में मंगन डीसी डॉ. एबी कार्की, एडीसी मंगन, एडीसी चुंगथांग, एसडीएम, बीडीओ, पिपोन, पंचायत के अलावा योजनाओं के लाभान्वित एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री लेप्चा ने अपने वक्तव्य में सभी का स्वागत करते हुए इस प्रकार के कार्यक्रम को आम नागरिकों की भलाई वाला बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ आम नागरिकों को मिल रहा है। बाद में कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने देश के प्रधानमंत्री का सम्बोधन भी सुना। वहीं देश भर के लाभुकों ने इस अवसर पर अपने अनुभव साझा किये और बताया कि किस प्रकार इन योजनाओं ने उनके जीवन को बेहतर बनाने में मदद की है।

फर्जी सीओआई मामले ....

कार्यालय भवन के सामने प्रदर्शन किया। इस बीच शहरी विकास विभाग के सचिव एमटी शेरपा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि करीब 25 दिनों पहले उन्हें फर्जी ट्रेड लाइसेंस रद्द करने सम्बंधित आवेदन मिला है। विभाग इस पर काम कर रहा है और हमने अपनी तरफ से जांच शुरू कर दी है। उन्होंने आगे कहा, जांच में यदि कोई दोषी पाया जाता है तो हम कानून के अनुसार उस पर कार्रवाई करेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो लाइसेंस भी रद्द किया जायेगा।

हार्दिक पटेल 2 जून को भाजपा में शामिल होंगे

अहमदाबाद, 31 मई (एजेन्सी)। पाटीदार अनामत आंदोलन समिति (पास) के संयोजक और गुजरात कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल गुरुवार को भाजपा में शामिल होंगे।

भाजपा प्रवक्ता भरत डांगर ने कहा कि पटेल, अपने समर्थकों के साथ, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल और पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल की उपस्थिति में दोपहर 12 बजे भाजपा में शामिल होंगे।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि श्वेता ब्रह्मभट्ट का भी उसी दिन भाजपा में शामिल होना तय है। उन्होंने कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर मणिनगर निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ा था।

पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात दौरे के दौरान उनकी उनसे आमने-सामने मुलाकात हुई थी।

इसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, पास नेता अल्पेश कथिरिया ने कहा, 'मुझे मीडिया से इसके बारे में पता चला। हार्दिक ने मुझसे इस बारे में बात नहीं की है। मैं उन्हें नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं देता हूं, लेकिन आगे का रास्ता आसान नहीं होगा।

उनमें सुनिश्चित करना होगा कि पाटीदारों के खिलाफ मामले वापस लिए जाएं और आंदोलन के दौरान जान गंवाने वालों के परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी मिले।'

Government of Sikkim

Women and Child Development Department

Gangtok

Memo No.: 182/W&CDD/2022 Dated: 30/05/2022

INVITING FOR BIDS

The Women and Child Development Department, Government of Sikkim is implementing the Central Sector Scheme of "Support for establishment/ modernization/capacity Augmentation o Braille Presses" at Jawaharlal Nehru Memorial Institute (JNMI), Namchi, South Sikkim.

Sealed quotations/bids are invited from all interested parties for supply and installation of following equipments:

Sl. No.	Description (Make/Model)	Qty
1	Index Everest-D V5 Braille Embosser, Speed : 400 pg/hr	1
2	Braille Translator for Indian Languages	1
3	QBraille XL-40 cell Braille Display for Proof Reading	2
4	Lex Reader & Scanner & OCR for High Speed Scanning of English books	1
5	Hindi OCR with Scan to speech	1
6	Tactile Maker for Graphics	1
7	Wire Stitching Machine Motorized	1
8	Thermoforming Machine	1
9	All in one printer	2
10	On line UPS 15 KVA 8 hrs backup	1

The scope of work would also include the following in terms of providing a complete solution:

1. To deliver and install the Braille press equipment at the premise of Jawaharlal Nehru Memorial Institute (JNMI), Namchi, South Sikkim.
2. To organize 5 days hands on training to the working staff/operators on the use and handling of the system (installation, operation & maintenance and troubleshooting).
3. In case of breakdown in functionality o supplied item the vendor has to proide standy equipments to ensure complete functionality of supplied items without any extra cost to the Department.
4. Annual Maintenance cost for 3 years initially to be specified by the party supplying the items.
5. Quotation/bids should be complete in all respect and should reach the office of the undersigned within 15 days of the date of issue of this advertisement.

Deputy Secretary
Women and Child Development Department

R.O. No. 43/IPR/PUB/Classi/2223, DT. 31.05.2022

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR TEESTA MORNING

Draw No:79 DrawDate on:31/05/22

1st Prize ₹1 Crore/- 66K 38058

Cons. Prize Rs.1000/- 38058 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

24049 27383 28737 49304 49529 75624 85657 89892 93392 93654

3rd Prize ₹450/-

0100 0156 0209 1197 1369 5810 5842 6419 6659 7003

4th Prize ₹250/-

0036 1237 1636 2818 4278 5218 5424 8348 9231 9453

5th Prize ₹120/-

0083 0098 0210 0317 0357 0370 1137 1358 1379 1480
1528 1560 1569 1584 1620 1933 1993 2060 2179 2280
2289 2358 2575 2598 2712 2867 2925 2943 3032 3042
3093 3161 3287 3350 3400 3429 3614 3947 4035 4061
4109 4400 4461 4573 4640 4730 4780 4994 5142 5517
5554 5730 5870 5888 5915 5921 5974 6136 6290 6298
6360 6482 6728 6745 6778 6843 7163 7215 7243 7250
7412 7526 7590 7612 7659 7713 7880 7898 7916 7927
7967 8026 8165 8229 8341 8472 8639 8945 8975 9263
9329 9350 9380 9418 9456 9709 9836 9850 9950 9995

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR PARROT EVENING

Draw No:179 DrawDate on:31/05/22

1st Prize ₹1 Crore/- 62H 73439

Cons. Prize Rs.1000/- 73439 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

01063 13917 26688 27518 29085 42071 56525 65708 80817 94273

3rd Prize ₹450/-

0602 1270 1678 3601 4042 5279 5375 6709 9011 9049

4th Prize ₹250/-

2186 2244 3488 4355 4586 4838 5482 6084 7546 7911

5th Prize ₹120/-

0057 0114 0141 0179 0247 0309 0352 0361 0471 0804
0823 0916 0937 1091 1179 1268 1292 1293 1604 1677
1792 2031 2043 2074 2180 2230 2420 2428 2477 2514
2607 2676 2772 2807 2867 2995 3267 3297 3345 3999
4108 4140 4231 4262 4307 4331 4353 4516 4560 4584
4603 4947 5018 5036 5074 5115 5304 5448 5523 5687
5825 6088 6437 6585 6610 6613 6636 6671 6752 7196
7262 7285 7344 7361 7365 7400 7654 7843 7852 7909
8501 8599 8664 8685 8981 8986 9042 9108 9235 9258
9282 9466 9476 9711 9772 9785 9852 9895 9907 9988

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR MOON TUESDAY

Draw No:79 DrawDate on:31/05/22

1st Prize ₹1 Crore/- 78L 63235

Cons. Prize Rs.1000/- 63235 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

37828 43431 45443 49467 61325 62488 69316 89616 96625 97592

3rd Prize ₹450/-

0075 0315 1163 1573 2506 3226 4591 5407 6519 7385

4th Prize ₹250/-

1103 1109 3998 4909 5649 6598 7685 8301 8772 9950

5th Prize ₹120/-

0181 0259 0440 0557 0742 1285 1389 1403 1424 1426
1480 1699 1781 1793 1991 2228 2262 2379 2435 2805
2827 2973 3006 3048 3087 3098 3145 3268 3417 3485
3504 3769 3784 3898 4013 4237 4426 4794 4875 4945
4978 5020 5171 5185 5322 5323 5484 5642 5681 5752
5755 5797 5862 5972 6199 6536 6601 6611 6680 6799
6811 6847 6860 6901 6941 6952 6965 7043 7146 7163
7210 7274 7331 7339 7378 7412 7493 7530 7622 7750
7836 7844 7976 8016 8037 8142 8199 8437 8523 8581
8632 8768 8930 9022 9180 9595 9606 9668 9879 9923

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

हत्या से जुड़े सवाल

लोकप्रिय पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता शुभदीप सिंह सिद्धू मूसेवाला की रविवार को दिनदहाड़े हुई हत्या ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल स्वाभाविक ही सबसे ज्यादा तूल भगवंत मान सरकार के उस फैसले को दे रहे हैं, जिसके तहत दो दिन पहले मूसेवाला सहित 424 व्यक्तियों की सुरक्षा या तो वापस ले ली गई थी या उसमें कमी की गई थी। उनकी मांग है कि इस ऐंगल से भी मूसेवाला मामले की जांच करवाई जाए। वैसे, पुलिस ने पहली नजर में इस हत्या को गैंगवॉर का नतीजा माना है। एक गैंग की ओर से हत्या की जिम्मेदारी लेने की बात भी सामने आई है। दूसरी ओर, सत्ताधारी पार्टी की ओर से पूछा जा रहा है कि जब मूसेवाला पर हमला हुआ तो साथ में कमांडो और बुलेट प्रूफ गाड़ी क्यों नहीं थी? यानी इस मामले को लेकर कई सवाल हैं। इसलिए पुलिस की जांच पूरी होने का इंतजार करना चाहिए। फिर जहां तक सरकार द्वारा विभिन्न व्यक्तियों को दी गई सुरक्षा की समीक्षा का सवाल है तो हर सरकार समय-समय पर यह काम करती है। बदले हालात के मुताबिक यह न केवल स्वाभाविक बल्कि आवश्यक भी होता है और यह प्रक्रिया कानून-व्यवस्था की जरूरतों से निर्देशित होनी चाहिए। राज्य सरकार ने कहा था कि वह वीआईपी कल्चर खत्म करने के लिए ऐसा कर रही है, लेकिन इस पर ठीक से अमल नहीं हुआ।

खासतौर पर जिस तरह से अकाल तख्त के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह की सुरक्षा एक ही दिन के अंदर पहले वापस ली गई, फिर बहाल की गई, उससे गलत संदेश गया। इससे अलग, मूसेवाला की हत्या राज्य में कानून-व्यवस्था की गिरती स्थिति का संकेत भी है। पंजाब में नई सरकार बनने के बाद पटियाला में एक स्थानीय पार्टी के कार्यकर्ताओं और कथित खालिस्तान समर्थक तत्वों के बीच हिंसा, मोहाली में पंजाब पुलिस इंटेलिजेंस मुख्यालय पर हुए रॉकेट हमले के बाद यह तीसरी बड़ी घटना है। खासकर इंटेलिजेंस मुख्यालय पर हुए हमले की जांच से इस बात के संकेत मिले हैं कि राज्य में आपराधिक गिरोहों, आतंकी तत्वों और सीमा पार के हैंडलर्स के बीच गठजोड़ मजबूत हो रहा है। आतंकवाद के जिस खौफनाक दौर से पंजाब बाहर आया है और आज भी जितनी संवेदनशील स्थिति इसकी है, उसे देखते हुए इस मोर्चे पर किसी भी तरह का जोखिम मोल नहीं लिया जा सकता। वहीं जिस गैंगवॉर को पुलिस अभी मूसेवाला की हत्या की वजह बता रही है, वह कोई नहीं बात नहीं। पिछली सरकारों के लिए यह एक चुनौती रही है। मान सरकार को इससे निपटना होगा। उसे संदेश देना होगा कि वह कानून-व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीर है ताकि इस तरह के मामले राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का बहाना न बनें।

संपादकीय पृष्ठ

मुद्रा ऋण : समानता पर आधारित समृद्धि का एक सेतु

सौम्य कांति घोष

अपने शुरुआती दिनों से ही, मोदी सरकार आजादी के बाद के छह दशकों के दौरान गुप्त रूप से बनाई गई बहिष्करण की संस्कृति को अनिवार्य रूप से बदलना चाहती थी। बहिष्करण की यह संस्कृति और कुछ नहीं बल्कि हाशिए व पिरामिड के सबसे निचले पायदान पर बैठे लोगों को छोड़कर आगे बढ़ने की संस्कृति थी! इस स्थिति ने नए नीति-निर्माताओं को हमारे विशाल देश के कोने-कोने में समानता पर आधारित उद्यमशीलता के विकास के लिए बेचैन कर दिया। इस संबंध में, दो योजनाओं यानी प्रधानमंत्री जन धन योजना और मुद्रा ऋण ने इस देश की उद्यमशीलता की भावना को एक नई आजादी के वादे के साथ यहां के वित्तीय समावेशन, जमा एवं उधार, दोनों, से जुड़े परिदृश्य को बदलकार रख दिया है।

पिछले सात वर्षों में, बैंकों (आरआरबी सहित)/एनबीएफसी/एमएफआई ने कुल मिलाकर लगभग 18.4 लाख करोड़ रुपये की राशि के 35.32 करोड़ मुद्रा ऋण वितरित किए हैं, जिसमें सबसे छोटे उधारकर्ताओं के लिए औसतन 52,000 रुपये का ऋण शामिल है। इनमें से लगभग दो-तिहाई ऋण महिला उद्यमियों के लिए स्वीकृत किए गए हैं। यह मानते हुए कि प्रत्येक इकाई में कम से कम दो व्यक्ति कार्यरत हैं, एक रूढ़िवादी आकलन के आधार पर, ये इकाइयां 10 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रही हैं।

वित्तीय समझ के मामले में थोड़े कम जानकार, लेकिन व्यावसायिक कौशल और कुछ बड़ा करने के सपनों से भरपूर लोगों की विभिन्न जरूरतों से अवगत रहते हुए सरकार ने विशेष रूप से उद्यमियों की विभिन्न श्रेणियों- शिशु, तरुण और किशोर- के हितों के संरक्षण के लिए मुद्रा ऋण की तीन श्रेणियां बनाईं। इस संबंध में मार्गदर्शक सिद्धांत यह था कि बदलते समय के साथ एक शिशु ऋणी हमेशा के लिए शिशु की श्रेणी में नहीं रहेगा, बल्कि वह एक तरुण के रूप में विकसित होगा, एक तरुण समय के साथ किशोर बन जाएगा और इसी क्रम में वह आगे समानता और समृद्धि सुनिश्चित करता जाएगा!

लेकिन, सरकार को 2014 के बाद की परिस्थितियों में कई चुनौतियों से पार पाना पड़ा। कोई कारगर व्यवस्था मौजूद नहीं थी। इस प्रस्तावित विशाल आकार की योजना को सहारा देने के लिए कोई संरचना या बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं था। सरकार ने आपसी विश्वास का माहौल बनाकर प्रचलित संस्कृति को अनुशासित किया। सरकार एक साफसुथरे मॉडल के जरिए इतने बड़े पैमाने पर उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रही थी जिसे पहले कभी नहीं आजमाया गया था। विकास और आय सृजन के अवसर उपलब्ध थे, लेकिन हाशिए पर बैठे लोगों को इस बात का यकीन नहीं था कि उनकी उद्यमशीलता की भावना को बैंकिंग प्रणाली से उत्साहवर्द्धक समर्थन भी मिलेगा।

सरकार द्वारा गारंटी और भरोसे (सीजीएफएमयू) के निर्माण ने यह सुनिश्चित किया कि बैंक तथा अन्य वित्तीय मध्यस्थ ऋण स्वीकृति एवं वितरण के लिए आश्वस्त हो जायें। 10 लाख रुपये तक के ऋण पर अब केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित ट्रस्ट से गारंटी मिलती है। उधारदाताओं के पास बिना किसी अन्य संपार्श्विक प्रतिभूति के उधार देने की अतिरिक्त सुविधा है। जल्द ही यह एक सर्वव्यापी परिघटना बन गई जिसमें इस देश के आम नागरिकों ने बड़ी वित्तीय संस्थाओं के पोर्टल को अपने लिए खुला पाया!

सरकार ने इस प्रक्रिया को कारगर बनाने और इसकी निगरानी करने के लिए प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल किया। इस योजना की व्यापक स्वीकृति को प्रोत्साहित करने और लोगों को इस योजना के विवरण एवं बारीकियों से परिचित कराने के लिए बैंकिंग संवाददाताओं का सहारा लिया गया।

मुद्रा योजना के माध्यम से लोगों के सफल सशक्तिकरण की कई आकर्षक कहानियां हैं। सफलता की कई ऐसी कहानियां उन महिला कर्जदारों की हैं, जिन्होंने अपने परिवारों को आजीविका सहायता प्रदान करने के मामले में खुद को अग्रणी साबित किया है और यहां तक कि उन्होंने अन्य परिवारों को भी रोजगार प्रदान किया है। उन्होंने खुद को अनौपचारिक साहूकारों के चिरस्थायी बंधन से मुक्त कर लिया है और बैंकों द्वारा प्रदान किए गए वित्तीय सहायता के सहारे आगे बढ़ी हैं। मुद्रा ऋण पाने वाले कुल लाभार्थियों में दो-तिहाई महिलाएं हैं। उनमें से कई सामाजिक रूप से वंचित समूहों से आती हैं और वे देश के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने को बदल रही हैं।

सफलता की ये कहानियां इस बात की याद दिलाती हैं कि कोई भी सूक्ष्म व्यवसाय कठिनाइयों एवं नादानियों के जरिए, उथल-पुथल एवं चुनौतियों के जरिए ही बड़ा बन सकता है! कोई भी चुनौती उसके अदम्य साहस और जीवट को तोड़ नहीं सकती।

देश ने कोविड महामारी के दौरान उद्यमशील भारत की दृढ़ भावना को भी देखा। कुछ विद्वान लोगों ने कहा कि व्यवस्था पर काफी दबाव बनेगा, अटके हुए कर्ज कई गुना बढ़ जायेंगे। लेकिन, उन्हें विस्मित करते हुए यह व्यवस्था इतनी मजबूत थी कि बिना किसी खरोच के सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ गई। सरकार ने व्यापारी वर्ग की इस निडर नई नस्ल को सहयोग देने का अपना संकल्प बनाए रखा। सरकार ने उधारकर्ताओं के बोझ को काफी हद तक कम करने के लिए 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना भी शुरू की जोकि आज भी जारी है।

एक नया डिजिटल इंडिया उभरकर सामने आ रहा है, जो हमारी वित्तीय प्रणाली में क्रांति ला रहा है। आज, भारत में एक ऐसी सुव्यवस्थित प्रणाली है जो किसी व्यक्ति को अपने घर बैठे ही ऋण के लिए आवेदन करने हेतु बैंक के ऐप का उपयोग करने में मदद करती है। मुद्रा ऋण देने के लिए एनबीएफसी और माइक्रो फाइनेंस संस्थानों ने बैंकों/आरआरबी के साथ हाथ मिलाते हुए नए अवसर पैदा किए हैं। कॉरपोरेट जगत को नई आपूर्ति श्रृंखला प्राप्त हो रही। इस प्रक्रिया का गुणक प्रभाव यह है कि ऋण के रूप में दिया गया एक रुपया चक्रीय अर्थव्यवस्था में काफी कमाई कर रहा है। इसमें उधारकर्ताओं और उनके परिवारों के लिए ऐसी सामाजिक सुरक्षा अंतर्निहित हैं, जिनके बारे में पहले कभी नहीं सोचा गया था! इससे आगे बढ़ते हुए, कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के क्षेत्र में विभिन्न सरकारी कल्याणकारी एवं प्रोत्साहन योजनाओं को मुद्रा योजनाओं के साथ बेहतर ढंग से एकीकृत किया जा सकता है। साथ ही, फिन-टेक और स्टार्ट-अप से संबंधित इकोसिस्टम का बेहतर उपयोग सीमा पार जाकर एक व्यापक एवं चहुमुखी विकास के परिप्रेक्ष्य को सामने लाने के लिए किया जा सकता है।

मुद्रा ऋण योजना सफलता की एक ऐसी कहानी है जो यह दिखलाती है कि कैसे एक सही राजनीतिक इरादा सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक शक्तियों के साथ मिलकर एक स्थायी एवं समानता आधारित बदलाव का गुणक प्रभाव पैदा सकता है।

हालांकि हमारा यह मानना है कि यह एक ऐसे उद्यमी भारत के अमृत काल की सिर्फ शुरुआत भर है जिसे खुद पर काफी भरोसा है!

तकनीक लाएगी जीवन में नए और बेहतर बदलाव

नारायण कृष्णमूर्ति

दस दिन पहले यानी 20 मई को केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आईआईटी, मद्रास द्वारा देसी तकनीक से तैयार एक ट्रायल नेटवर्क पर देश में पहली 5जी कॉल की। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी, मद्रास में देश के पहले 5जी टेस्ट बेड का उद्घाटन किया था, ताकि स्टार्ट अप्स और उद्यमी स्थानीय स्तर पर अपने उत्पादों की जांच और उनकी अभिपुष्टि कर सकें और विदेशी सुविधाओं पर हमारी निर्भरता कम हो। जाहिर है कि 5जी के तैयार उपकरणों और नेटवर्कों को अब विदेशों से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है, देश में ही इसका प्रमाणीकरण केंद्र है, जिसका लाभ 5जी नेटवर्क की दौड़ में शामिल होने की इच्छुक भारतीय कंपनियों को मिलेगा।

मोबाइल फोन और इंटरनेट के आम उपभोक्ताओं के लिए 5जी वायरलेस तकनीक की पांचवीं पीढ़ी है, जो 4जी नेटवर्क की तुलना में अधिक रफ्तार और ज्यादा क्षमता मुहैया कराएगी। यह अब तक की सबसे तेज और मजबूत तकनीक है। 5जी नेटवर्क में इंटरनेट की रफ्तार और बढ़ जाएगी, जिससे डाउनलोड होने में कम समय लगेगा। इसमें वेब पेज लोड करने में कम समय लगेगा और हमारा जीवन, कारोबार और काम करने के तरीके-सब बदल जाएंगे। 5जी आने के बाद भविष्य की हमारी तकनीक सभी चीजों को एक दूसरे से जोड़ देगी-घर, बगैर ड्राइवर वाली कार, स्मार्ट ऑफिस, स्मार्ट सिटी और उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। कई अर्थों में, तकनीकों से जिन बेहतर और असंभव बदलावों के बारे में हम अक्सर सोचते हैं, 5जी नेटवर्क से वे सब संभव हैं।

पिछले करीब तीस साल में वायरलेस तकनीक के क्षेत्र में व्यापक रूपांतरण हुआ है। 1जी के शुरुआती दिनों की, जो एनालॉग सेलुलर था और आवाज ही जिसका एकमात्र माध्यम था, विशेषता यह थी कि मोबाइल टेलीफोन अपने उस प्रारंभिक दौर में बिना तार के आवाजाही कर सकता था। काफी दिनों तक 1जी नेटवर्क रहा, जिसे 2जी ने आकर विस्थापित किया। 2जी नेटवर्क की विशेषता यह थी कि आवाज के अलावा इसमें कुछ आंकड़े भी प्रेषित किए जा सकते थे। यानी 2जी नेटवर्क में बात करने की सुविधा के अलावा एक-दूसरे को संदेश (एसएमएस) भेजा जा सकता था। उसके बाद 3जी और 4जी नेटवर्क आए, जो अब भी प्रचलन में हैं। मोबाइल टेलीफोन की तकनीक में यह बड़ा बदलाव था, जिन्होंने वीडियो कॉल, तेजी से डाउनलोडिंग और मोबाइल पर आए कुछ नए एप के जरिये दूरसंचार की हमारी दुनिया ही बदल दी।

वायरलेस तकनीक की हर पीढ़ी ने उपभोक्ताओं को कुछ न कुछ उल्लेखनीय प्रदान किया। 5जी तकनीक भी उपभोक्ताओं को बहुत कुछ नया देने वाली है। अलबत्ता 5जी तकनीक और 5जी के अनुभवों में फर्क है। उदाहरण के लिए, कई देशों में 5जी तकनीक पहले से ही काम कर रही है, लेकिन उन देशों में, यहां तक कि अमेरिका में भी, 5जी तकनीक से होने वाले बदलाव अभी तक संभव नहीं हो पाए हैं। बेशक 5जी 4जी की तुलना में बहुत तेज है, लेकिन 5जी तकनीक से मानव जीवन में होने वाले बदलावों की अभी प्रतीक्षा ही की जा रही है। चुनौतियां यहीं खत्म नहीं हो जातीं। जैसे कि सिर्फ 5जी नेटवर्क का आना काफी नहीं है, आपके पास ऐसे मोबाइल भी होने चाहिए, जो 5जी नेटवर्क के लिए बने हों। बहुत सारे मोबाइल फोन 5जी नेटवर्क को सपोर्ट नहीं करते। जाहिर है, बड़ी संख्या में बाजारों में 5जी नेटवर्क वाले मोबाइल फोन आएंगे, तो उपभोक्ताओं को उनकी महंगी कीमत भी चुकानी पड़ेगी।

अपने ही देश की बात करें, तो 5जी स्पेक्ट्रम में संचालित होने के लिए 5जी टेलीकॉम लाइसेंस की प्रक्रिया पर काम अभी चल ही रहा है। वोडाफोन आइडिया, जिओ और एयरटेल 5जी नेटवर्क की अपनी क्षमता का अभी परीक्षण कर रही हैं। और बेशक इस साल के अंत तक देश में 5जी नेटवर्क की शुरुआत हो जाएगी, इस तकनीक का हमारे जीवन पर पड़ने वाला असर देखने के लिए और कुछ समय तक इंतजार करना पड़ेगा। दूरसंचार विभाग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस साल 5जी नेटवर्क लांच हो जाएगा, लेकिन शुरुआत में देश के 13 शहरों में ही यह नेटवर्क लागू होगा। उसके कुछ समय बाद ही पूरे देश के लिए 5जी का लाभ उठाना संभव हो सकेगा। 5जी और उसके बाद 6जी तकनीक निश्चित तौर पर भारत को व्यापक तौर पर बदलेगी, परंतु सभी लोगों के लिए इसका लाभ उठाना संभव नहीं। जिन उपकरणों पर 5जी तकनीक का असर साफ दिखता है, उनमें से ज्यादातर का निर्माण भारत में नहीं होता। ऐसे में, 5जी सपोर्ट वाले अनेक गैजेट्स के लिए हमें विकसित देशों पर निर्भर रहना पड़ेगा। जैसे कि दो मुख्य ख़लेटफॉर्म-एप स्टोर और एपल स्टोर के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करने और उनकी जांच करने के लिए अनेक टेस्टिंग रूम्स की आवश्यकता पड़ेगी।

यह संभावना जताई जा रही है कि 5जी तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में-खासकर अस्पतालों, हवाई अड्डों और डाटा संग्रहण में बड़ी भूमिका निभाएगी। वायरलेस तकनीक की अगली पीढ़ी सिर्फ फोन तक सीमित नहीं होगी। ऐसे में, जाहिर है कि उसके अनुरूप नेटवर्क, उसके अनुरूप उपकरणों और उसके अनुरूप एप्स के लिए खर्च करने पड़ेंगे। भारत की विशाल आबादी और इंटरनेट व डाटा की भारी जरूरतों को देखते हुए वैश्विक दूरसंचार की होड़ में भारत निश्चित रूप से शामिल है। ऐसे में, 5जी और भविष्य की तकनीकों के परीक्षण की प्रणाली और पारिस्थितिकी तंत्र हमारे यहां हो, यही स्वाभाविक है। इन सब में समय लगेगा। पर 5जी का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को खर्च करना पड़ेगा। टेलीकॉम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का विश्व बाजार चुनींदा देशों की चुनींदा कंपनियों के पास ही है, जिनमें भारत शामिल नहीं है।

यह उज्ज्वल संभावना तो है ही कि भारत 5जी तकनीक विकसित करने वाले देशों में अग्रणी होगा, पर यह तो समय ही बताएगा कि 5जी तकनीक के विकास केंद्र के रूप में भारत विश्व बाजार को आकर्षित कर पाएगा या नहीं। जो टेलीकॉम कंपनियां 5जी सेवा की शुरुआत करने जा रही हैं, उन्हें ढांचागत सुविधाओं पर भी खर्च करना पड़ेगा, ताकि इसकी सेवा पूरे देश में एक जैसी हो और मोबाइल व दूसरे उपकरण उन पर काम कर सकें। अगर इन चिंताओं के उत्तर नहीं आए, तो हमारे पास तकनीक तो होगी, लेकिन उसके ज्यादा उपयोगकर्ता नहीं होंगे।

सेवा और गरीब कल्याण के आठ वर्ष

जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार के आठ सफल वर्ष पूरे हो रहे हैं। आठ वर्षों की यह यात्रा जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के दंश से ग्रसित देश की राजनीति पर विकासवाद की जीत की अविरल यात्रा है। यह देश के लोकतंत्र को मजबूती देते हुए गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, युवाओं एवं समाज में हाशिये पर खड़े हर व्यक्ति के सशक्तीकरण एवं उनके जीवन में उत्थान लाने की यात्रा है। यह देश में कुछ भी नहीं हो सकता है के अंधकार पर देश यदि ठान ले, तो सब कुछ संभव है के विश्वास की यात्रा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश के प्रति विजन को 135 करोड़ देशवासियों ने जिस तरह से आत्मसात करते हुए जमीन पर उतारा है, उसने यह सिद्ध किया है कि सही नेतृत्व हो और नेतृत्व के पास नीति एवं नीयत हो, तो हर चुनौती से पार पाते हुए सफलता की बड़ी लकीर खींची जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल ही नहीं रहा है, अपितु विकास की नई परिभाषा भी गढ़ रहा है। आजादी के अमृतकाल में देश ने अपने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में जिस तरह से चुनौती की चट्टानों पर विकास-पथ का निर्माण किया है, वह बेमिसाल है। पिछले आठ वर्षों में देश की गरीबी 22 प्रतिशत से घट कर 10 प्रतिशत से नीचे आ गई है। अत्यंत गरीबी की दर एक प्रतिशत से भी कम 0.8 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। पिछले 8 वर्षों में देश की प्रति व्यक्ति आय के साथ-साथ विदेशी मुद्रा भंडार भी लगभग दोगुना हुआ है। आजादी के 70 साल में देश में केवल 6.37 लाख प्राइमरी स्कूल बने, जबकि नरेन्द्र मोदी सरकार के केवल आठ वर्षों में लगभग 6.53 लाख प्राइमरी स्कूल बने। आठ साल में देश की साक्षरता 6 प्रतिशत से अधिक बढ़ी, जो विशिष्ट उपलब्धि है। विगत आठ वर्षों में देश में 15 नए एम्स का निर्माण हुआ। डॉक्टरों की संख्या भी पिछले आठ साल में 12 लाख से ज्यादा बढ़ी है। आठ साल में भारत का सड़क नेटवर्क दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। सौर और पवन ऊर्जा क्षमता बीते पांच सालों में दोगुनी हुई।

देश में खाद्यान्न उत्पादन लगातार नया रिकॉर्ड बना रहा है। 2012-13 में देश में खाद्यान्न का उत्पादन 255 मिलियन टन था, जो 2021 में बढ़कर 316.06 मिलियन टन हो गया है। यह आजादी के बाद अब तक का रिकॉर्ड उत्पादन है। कोविड जनित मंदी के बावजूद पिछले वित्त वर्ष में 418 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात हुआ। नरेन्द्र मोदी सरकार के आठ वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए जितने काम हुए, उतने आजादी के 70 सालों में भी न हुए। पिछले दो वर्षों से मोदी सरकार 3.40 लाख करोड़ रुपये की लागत से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक जरूरी राशन मुफ्त पहुंचा रही है। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न वितरण योजना है। इस कदम की पूरे विश्व ने सराहना की है। आयुष्मान भारत के रूप में देश में पहली बार आमजन को मुफ्त स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला। पहली बार किसानों और मजदूरों के लिए मासिक पेंशन की व्यवस्था हुई। पहली बार किसान सम्मान निधि का लाभ मिलना शुरू हुआ। ऑर्गेनिक खेती को लेकर भी पहली व्यवस्थित नीति हमारी सरकार ने ही बनाई।

सरकार की योजनाओं ने न केवल देशवासियों को सशक्त बनाया, बल्कि देश के अर्थचक्र को भी मजबूत किया। यही कारण है कि बदले हुए वैश्विक परिवेश के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था चुस्त-दुरुस्त बनी हुई है और भारत की विकास दर दुनिया में लगातार अधिक बनी हुई है। आत्मनिर्भर भारत अभियान, वोकल फॉर लोकल, गति शक्ति योजना, प्रोडक्ट लिंक इंसेंटिव और मोनेटाइजेशन जैसी योजनाओं ने देश को विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा किया है।

पहले समस्याओं को ही नियति मान लिया जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी समस्याओं का स्थाई समाधान कर देश को इनोवेटिव अप्रोच के लिए तैयार किया। प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर अनुच्छेद 370 धराशायी हुआ, अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण शुरू हुआ। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब तक 1,800 अप्रासंगिक पुराने कानूनों में से 1,450 को खत्म किया जा चुका है। देश की विदेश नीति ने एक नया इतिहास रचा है। आज पूरी दुनिया में भारत की विदेश नीति की सराहना होती है। पहली बार देशहित में विदेश नीति का रूपांतरण हुआ है। इराक, यमन, अफगानिस्तान से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक, भारत के बचाव और राहत अभियान की तो पूरी दुनिया कायल है। चाहे आतंकवाद का विषय हो, वैकल्पिक ऊर्जा का विषय हो, अंतरराष्ट्रीय सौर-ऊर्जा संगठन की बात हो, कार्बन उत्सर्जन का विषय हो, रूस-यूक्रेन युद्ध की बात हो, क्वाड हो या अमेरिका, फ्रांस, जापान, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ-साथ पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध हों, हर अवसर पर भारत की विदेश नीति शानदार रही है। प्रधानमंत्री ने देश की महान सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए प्रगति को नया आयाम दिया है। पिछले आठ वर्ष में भाजपा ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सफलता केनए कीर्तिमान रचे हैं। 18 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ भाजपा विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक पार्टी बनी है। 2014 में सात राज्यों में भाजपा और हमारे सहयोगियों की सरकारें थीं। आज 18 राज्यों में हमारी सरकारें हैं। पहली बार राज्यसभा में भाजपा 100 के आंकड़े तक पहुंची है। गुजरात से लेकर जम्मू-कश्मीर तक और राजस्थान से लेकर हैदराबाद तक, स्थानीय निकाय चुनावों में भी भाजपा ने इतिहास रचा है। आजादी के अमृतकाल में पहली बार देशवासियों को यह एहसास हुआ है कि केंद्र में उनकी सरकार है, जो उनके लिए काम करती है। पिछले आठ वर्षों में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की अवधारणा साकार हुई है।

हम एक नए भारत के पुनर्निर्माण के लिए कटिबद्ध हैं, जहां सबके लिए समान अवसर हों और सब खुशहाल हों। आइए, आजादी के अमृत महोत्सव में हम सब मिलकर संकल्प लें कि भारतवर्ष को विश्वगुरु के पद पर पुन: प्रतिष्ठित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खूब परिश्रम करेंगे और देश को समृद्ध बनाएंगे।

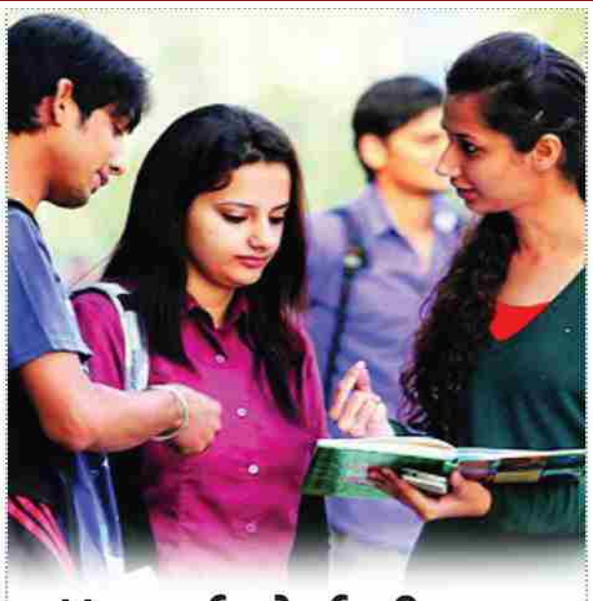

लॉग टर्म कोर्स की बजाय रोजगार पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं आज के युवा

नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवतः उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं।

एक ऑनलाइन शैक्षिक कंपनी, टलेंटेज और मार्किट रिसर्च एजेंसी के एक ताजा सर्वे के अनुसार भविष्य में लंबी अवधि के कॅरियर की योजना बनाना संभव नहीं होगा, क्योंकि विकास की गति जॉब मार्केट में बढ़ रही है और युवाओं को लगातार समय की मांग के मुताबिक खुद को ऐसे परिवेश में ढालना बेहद जरूरी होगा। वहीं इससे पहले किये गए एक सर्वेक्षण के मुताबिक आधा से ज्यादा नौकरी तलाश करने वालों ने लंबी अवधि के कॅरियर के उचित अवसर और विकास के लिए अपने कौशल को बढ़ाने के लिए लॉकडाउन अवधि का उपयोग किया। नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवत : उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं। डेटा साइंस और एनालिटिक्स कोर्स (22 प्रतिशत), इसके बाद डिजिटल मार्केटिंग (20 प्रतिशत), और वित्त और जोखिम प्रबंधन (16 प्रतिशत) शीर्ष पाठ्यक्रमों में से थे जो नौकरी ढूढ़ने वालों द्वारा चुने गए थे।

गेजिंग इन टू द फ्यूचर

यंग इंडिया, देयर एस्पिरेशंस एंड कॅरियर चॉइस के एक सर्वेक्षण के अनुसार, अल्पकालिक पेशेवर योजना ही एक सही रास्ता है। उत्तरदाताओं ने कहा कि वे तेजी से एक 'नौकरी' के बारे में सोचेंगे और 'कॅरियर' नहीं, क्योंकि उनके आसपास की चीजें तेजी से बदल रही हैं और वे अगले पांच वर्षों में भी ऐसे जीवन कॅरियर की कल्पना नहीं कर सकते हैं जब बहुत सारे वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के होते हुए भी शायद ही कुछ ऐसे होंगे जो एक उचित परिपेक्ष्य में, अनुकूल और लाभप्रद रोजगार दे सकेंगे। टलेंटेज ने 20,000 छात्रों में से ऐसे उत्तरदाताओं की पहचान की है जिन्होंने इस संस्था में पिछले वर्ष नामांकन किया था, उनमें से 60 उत्तरदाताओं ने इस सर्वे में भाग लेने के लिए फाइनल कट दिया है। सर्वेक्षण पर आधारित यह अध्ययन लगभग पांच वर्षों तक किया गया, जिसमें से मानव संसाधन प्रमुखों, सीएक्सओ, कॅरियर काउंसलर और समाजशास्त्रियों के उत्कृष्ट विचारों को संज्ञान में लिया गया, ताकि इस उभरते हुए झुकाव की विस्तृत तस्वीर सामने आ सके और उम्मीदवारों को सही मार्गदर्शन मिल सके। टलेंटेज के आदित्य मालिक ने एक बिजनेस समाचार पत्र में दिए गए एक वक्तव्य में बताया कि 29 साल की औसत आयु के साथ भारत 2026 तक दुनिया का सबसे युवा देश होगा। उन्होंने बताया की वो युवा भारतीयों के विचारों को, उनके कॅरियर के विकल्पों की संभावनाओं को और उनकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में समझना चाहते थे। अध्ययन में पाया गया कि डिग्रियों का कम्पित अधिग्रहण कॅरियर का एक नया मापदंड होगा, जैसा कि उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें क्रियाशील व व्यावहारिक तजुर्बों से सीखना होगा और जरूरत पड़ने पर और अधिक डिग्री हासिल करनी होगी। विशेषज्ञों ने इस सर्वेक्षण पर विचार विमर्श किया और पाया की शिक्षा सिर्फ एक बार का मामला नहीं होगा बल्कि एक सतत प्रक्रिया होगी जिसमें युवा जैसे जैसे आगे बढ़ते जायेंगे, डिग्रियां हासिल करते रहेंगे। आदित्य मालिक ने आगे बताया कि कॉर्पोरेट दुनिया के साथ बढ़ती निराशा युवाओं के जूनून को काम में परिवर्तित करने में उन्हें आगे ले जाएगी। लीक से हटकर बढ़ते हुए पाठ्यक्रमों ने नए कॅरियर को पंख दे दिए हैं। और आज के युवा भी शायद इसे ही ज्यादा महत्त्व दे रहे हैं और अपना रुझान भी इसी पर केंद्रित कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार के लिए आज एक बहुत बड़ा स्कोप खुल गया है, यह स्वीकार करते हुए कि वे इस बात को लेकर निश्चित नहीं थे कि यह कितना आकर्षक होगा, क्योंकि इसके लिए बहुत अधिक प्रयास और परिश्रम की आवश्यकता होती है। तो अगर आप एक युवा हैं और अपने कॅरियर को लेकर गंभीर हैं तो शायद आप अच्छी तरह से समझ गए होंगे कि शार्टटर्म का कोई मनचाहा कोर्स आपको सही दिशा में ले जायेगा या फिर कोई लॉन्गटर्म वाला कोर्स।

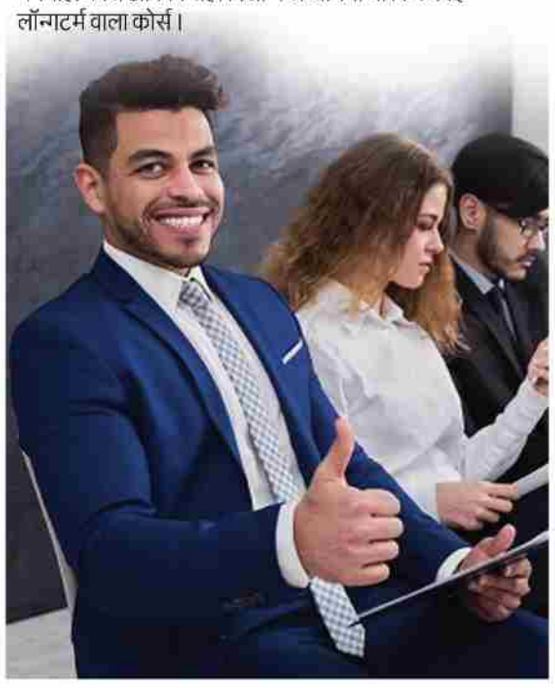

जीवाश्म विज्ञानी के रूप में तलाशें रोजगार की संभावनाएं

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं।

पृथ्वी पर जीवन की शुरूआत लाखों-करोड़ों साल पहले ही हो गई है। ऐसे कई जीव व जानवर हैं, जो सालों पूर्व धरती पर मौजूद थे, लेकिन अब वह विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन उनके जीवाश्म की मदद से पृथ्वी पर जीवन के इतिहास के अध्ययन को ही पेलियोन्टोलॉजी कहा जाता है। यह जीवाश्मों के अध्ययन के माध्यम से पृथ्वी पर पिछले जीवन की जांच है। जीवाश्म पौधों, जानवरों, कवक, बैक्टीरिया और अन्य एकल-कोशिका वाले जीवित जीवों के अवशेष या निशान हैं जो भूवैज्ञानिक अतीत में रहते थे और पृथ्वी की क्रस्ट में संरक्षित हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि पेलियोन्टोलॉजिस्ट सिर्फ डायनासोर का अध्ययन करते हैं, जबकि यह सच नहीं है। बल्कि यह जीवाश्मों की मदद से पृथ्वी पर जीवित चीजों की पूरी प्रजातियों का अध्ययन है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं करियर

क्या होता है काम

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं। वे प्रागैतिहासिक जीवन रूपों और जीवाश्मों की परीक्षा के माध्यम से पौधे और पशु जीवन के विकास पर शोध करते हैं। वे विलुप्त प्रजातियों के बारे में जानने के लिए जानवरों की हड्डियों, गोले और कास्ट का उपयोग करते हैं। साथ ही वह जीवाश्मों का पता लगाने और जीवाश्मों के बारे में प्रासंगिक तथ्यों की पहचान करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करते हैं। उनके कार्यक्षेत्र में जीवाश्मों का पता लगाना और उनकी खुदाई करना, निष्कर्षों की पहचान, अनुसंधान और उन्हें साझाकरण करना शामिल है।

पर्सनल स्किल्स

पेलियोन्टोलॉजिस्ट को कंप्यूटर की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और सांख्यिकीय विश्लेषण में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा उसमें मौखिक और लिखित संचार कौशल भी होने चाहिए, क्योंकि उन्हें पेशेवरों की एक टीम के साथ काम करना होता है।
पैलियोन्टोलॉजिस्ट के पास उच्च जिज्ञासा स्तर और इमेजिनेशन पावर होनी चाहिए। उन्हें तार्किक और गंभीर रूप से सोचने में सक्षम होना चाहिए, जिज्ञासु और अत्यंत विश्लेषणात्मक होना चाहिए, और एकत्रित डेटा या जानकारी से निष्कर्ष निकालने की क्षमता भी इस क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है। चूंकि जीवाश्म विज्ञान एक कठिन काम है, जिसमें जीवाश्मों को खोजने और खुदाई करने के लिए बहुत से बाहरी काम करने की आवश्यकता होती है, एक इच्छुक व्यक्ति को धैर्यपूर्ण होना चाहिए।

योग्यता

पैलियोन्टोलॉजी एक विज्ञान से संबंधित लेकिन व्यापक क्षेत्र है। इसलिए एक जीवाश्म विज्ञानी को भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भूविज्ञान को जानना आवश्यक है। जीवाश्म विज्ञान में अधिकांश प्रवेश स्तर के पदों के लिए भूविज्ञान या पृथ्वी विज्ञान में मास्टर डिग्री की आवश्यकता होती है। वहीं रिसर्च और कॉलेज टीचिंग के लिए पीएचडी होना आवश्यक है। कई भाषाओं का ज्ञान इस क्षेत्र के लिए एक अतिरिक्त लाभ है।

रोजगार की संभावनाएं

एक पेलियोन्टोलॉजिस्ट के रूप में आप कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थान, संग्रहालयों, या राज्य और संघीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों, प्रयोगशालाओं आदि में काम कर सकते हैं। जीवाश्म विज्ञानी सार्वजनिक व निजी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

आमदनी

एक जीवाश्म विज्ञानी की आमदनी उनके शिक्षा के स्तर, अनुभव व जहां पर वे काम करते हैं, उस पर निर्भर करती है। निजी क्षेत्र में आपकी योग्यता व अनुभव के आधार पर अच्छा वेतन मिलता है। शुरूआती रूप में एक जीवाश्म विज्ञानी 15000 से 25000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। इसके बाद आपके अनुभव के आधार पर आमदनी बढ़ती जाती है।

प्रमुख संस्थान

भारत में केवल एक संस्थान जीवाश्म विज्ञान में एक पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यह हैदराबाद के बंडलागुडा में स्थित जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया है।

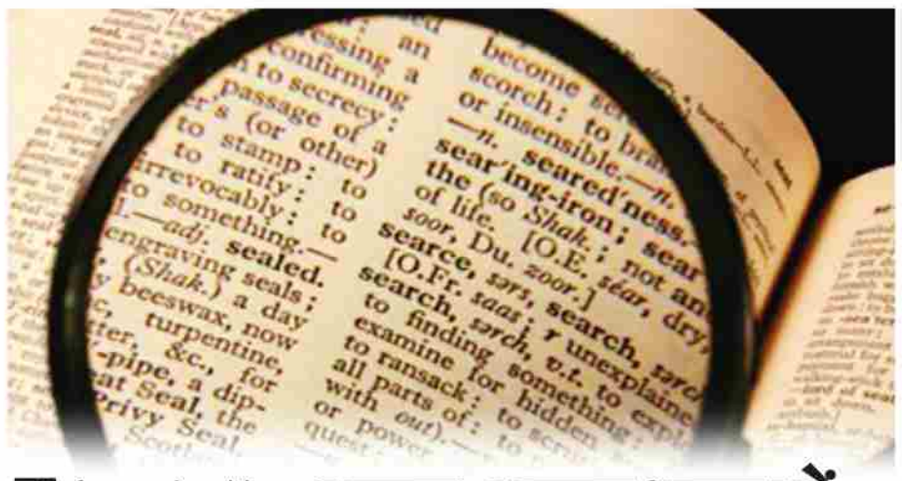

एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं।

अलग-अलग भाषाओं के साथ लैक्सोग्राफी में बना सकते हैं कॅरियर

वर्तमान समय में, छात्रों के लिए संभावनाओं का एक खुला आसमान है, जहां पर वह विचरण करके एक सुखद व सफल भविष्य बना सकते हैं। ऐसा ही एक क्षेत्र है लेक्सोग्राफी। हो सकता है कि आपके लिए यह शब्द नया हो, लेकिन हम आपको बता दें कि शब्दकोश प्रारूप में 'शब्द' लिखने की कला को लेक्सोग्राफी कहते हैं। लैंग्वेंज स्टडी के इतिहास में इसका एक अहम्स्थान है। जिसमें शब्दकोश निर्माण के दौरान इतिहास, थ्योरी, मैथडोलॉजी और टाइपोलॉजी शामिल है। अगर आप भी अलग-अलग भाषाओं के साथ अपना भविष्य देखते हैं तो आप लैक्सोग्राफी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं अपना कॅरियर-

क्या होता है काम

लेक्सोग्राफर एक प्रोफेशनल भाषाविद् होते हैं, जो डिक्शनरी, एनसाइक्लोपीडिया व अन्य रेफरेंस टेक्स्ट जैसे लॉ और मेडिकल डिक्शनरी बनाने के लिए रिसर्च, लेखन, संकलन व संपादन करते हैं। आमतौर पर, लेक्सोग्राफी को दो शाखाओं में विभाजित किया गया है, पहला प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी और दूसरा सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी। प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी में शब्दकोशों का संकलन, लेखन और संपादन की प्रक्रिया शामिल है। वहीं सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी में लैंग्वेंज की स्टडी और इसकी शब्दावली के अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इस प्रकार अगर देखा जाए तो एक लेक्सोग्राफर का काम सिर्फ परिभाषाएं लिखना ही नहीं होता, बल्कि सही लोगों के लिए सही परिभाषा लिखना होता है।

पर्सनल स्किल्स – एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं। इसके अलावा आपको ग्रामाटिकल और कम्प्यूटेशनल भाषा का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए। एक बेहतरीन क्रिटिकल थिंकिंग, ओपन-मांइडेड, व हर छोटी बातों पर गहरी नजर होनी चाहिए। लेक्सोग्राफी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आपको कड़ी मेहनत और पूर्ण रूप से जिम्मेदारी निभाना आना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता – इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को अंग्रेजी या किसी अन्य संबंधित भाषा में मास्टर या डॉक्टरेट की डिग्री होना आवश्यक है। वर्तमान में देश में ऐसे कई विश्वविद्यालय हैं, जो विभिन्न भाषाओं जैसे अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, तमिल, पंजाबी आदि में लेक्सोग्राफी पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

संभावनाएं – लेक्सोग्राफर कई पब्लिशिंग हाउस के लिए काम करते हैं। वह अपना कॅरियर असिसटेंट एडिटर या फिर जूनियर एडिटोरियल असिसटेंट के तौर पर शुरू कर सकते हैं। कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप बतौर लेक्सोग्राफर काम कर सकते हैं।

आमदनी – यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लोग सैलरी के लिए नहीं, बल्कि अपनी खुशी के लिए काम करते हैं। एक पब्लिशिंग हाउस में काम करने वाले लेक्सोग्राफर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। वैसे कई लेक्सोग्राफर एक फ्रीलांसर के तौर पर काम करते हैं और इस तरह वह हर प्रोजेक्ट के लिए चार्ज करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डेक्कन संस्थान, पुणे
- पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
- मद्रास विश्वविद्यालय केरल विश्वविद्यालय, केरल
- भारथिअर यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर

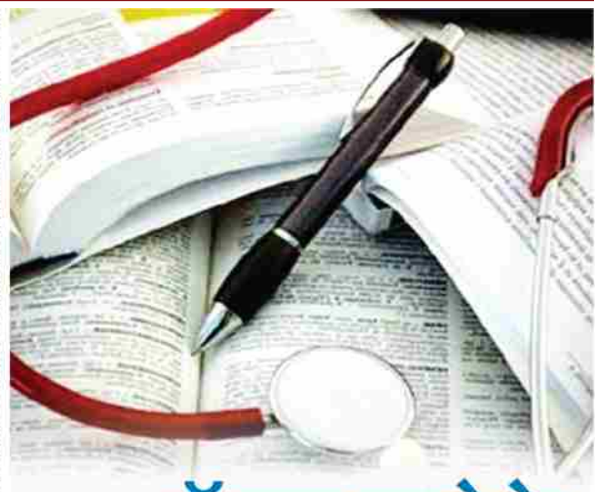

डॉक्टर बनने के लिए जरूरी है नीट परीक्षा ऐसे करें तैयारी

नीट परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।

नीट मतलब नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट! यह परीक्षा देशभर में मेडिकल कॉलेजेज में एडमिशन लेने के लिए आयोजित की जाती है। 12वीं के बाद अगर आप भी डॉक्टर बनना चाहते हैं और इससे संबंधित एमबीबीएस अथवा बीडीएस की पढ़ाई करना चाहते हैं तो आप को इस नीट का एग्जाम देना ही पड़ेगा। बता दें कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए द्वारा इसके लिए एंट्रेंस एग्जामिनेशन प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। इस परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।
जान लें कि अगर आपने 12वीं की पढ़ाई ठीक ढंग से की है, खासकर बायोलॉजी, फिजिक्स व केमिस्ट्री में, तो आप इस परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, किंतु ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एकमात्र मेडिकल परीक्षा है। अत : कंपटीशन बेहद कठोर होता है। अत : मुश्किल तो होगी, किन्तु यह नामुमकिन कतई नहीं है! परीक्षा के माध्यम की बात करें तो हिंदी और अंग्रेजी में इसके प्रश्न दिए जाते हैं। अगर आप इस परीक्षा में पास हो जाते हैं तो ऑनलाइन इसकी काउंसलिंग होती है और नेशनल लेवल के अलावा स्टेट लेवल पर भी इसकी काउंसलिंग कंडक्ट की जाती है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी के हिसाब से सीटों को आवंटित किया जाता है। एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर इसकी दूसरी कई जानकारियां आपको मिल जाएंगी। यहां तक कि आप मॉक टेस्ट का पेपर भी यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं और उस हिसाब से अपनी तैयारी को धार दे सकते हैं। कॅरियर एक्सपर्ट्स तैयारी के लिए सलाह देते हैं कि आपको काफी पहले से इस पर ध्यान देना होता है, किंतु जिस स्तर का टफ एग्जामिनेशन होता है, उसे देखते हुए आपको अंतिम के तकरीबन 2 महीने बेहद सटीकता से रिवीजन पर बिताना होगा। इसके लिए आपको न केवल स्ट्रेस से बचना होगा, बल्कि बेहतरीन तैयारी के लिए पूरी शेड्यूलिंग करके अलग-अलग सब्जेक्ट पर ध्यान देना होगा। ध्यान रहे! यह कोई साधारण एग्जामिनेशन नहीं है, इसलिए आप भिन्न एक्सपर्ट्स से मार्गदर्शन लेने में संकोच ना करें। इसमें पिछले वर्ष के टॉपर्स का इंटरव्यू आपको मिल जाएगा, जिसे आपको पढना-सुनना चाहिए। इसी प्रकार से जो दूसरे एक्सपर्ट्स हैं, उनकी राय भी आपको काफी लाभ पहुंचा सकती है। किन्तु अंत में आपका डिसिप्लिन और बेहतरीन रिवीजन के साथ मॉक टेस्ट पेपर अधिक से अधिक बार सॉल्व करना आप के लिए सबसे मददगार साबित हो सकता है। कंप्रिहेंसिव रिवीजन इसमें काफी फायदेमंद साबित होता है। इसके लिए आपको एनसीआरटी बुक्स का गहराई से अध्ययन करना चाहिए। अंत में आपको संपूर्ण सिलेबस पर ध्यान देना होता है और सिलेक्टिव टॉपिक्स को स्टडी करने से बचना है। आपको सम्पूर्ण कोर्स के अधिक से अधिक हिस्सों को, कम से कम समय में कवर करने की कोशिश करनी चाहिए। ध्यान रहे, इसका कोई शॉर्टकट नहीं है, बल्कि कड़ी मेहनत ही आपको इसमें इक्षित परिणाम दे सकती है।

भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति विशिष्ट नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति को उनके शानदार करियर और जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए 'विशिष्ट नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इलिनोइस के मंत्री जेसी

व्हाइट ने 48 वर्षीय डेमोक्रेटिक नेता कृष्णमूर्ति को पुरस्कार प्रदान किया, जो 2017 से इलिनोइस के आठवें संसदीय जिले के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। व्हाइट ने पिछले सप्ताह कृष्णमूर्ति को पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा, ''आपके शानदार करियर और जनसेवा के प्रति आपके समर्पण को सम्मानित करते हुए मैं आपको अपनी तरह की एक अनूठी व्यक्तिगत लाइसेंस तख्ती पेश करता हूं = 'राजा'।''उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि यह इस प्रांत और हमारे देश के लिए आपकी असाधारण सेवाओं के प्रति हमारे आभार का आपको स्मरण कराती रहेगी। 'विशिष्ट नेतृत्व पुरस्कार' जीतने पर आपको फिर से बधाई।'' कृष्णमूर्ति ने कहा कि व्हाइट जैसे बहुआयामी व्यक्तित्व वाले व्यक्ति से नेतृत्व के लिए पुरस्कार प्राप्त करना वास्तव में सम्मान की बात है। कृष्णमूर्ति का नयी दिल्ली में एक तमिल भाषी परिवार में जन्म हुआ था। जब वह तीन महीने के थे, तब उनका परिवार अमेरिका में जा बसा था।

जॉनसन की पार्टी के भीतर पार्टीगेट को लेकर बगावती सुर उठे

लंदन। ब्रिटेन की सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के भीतर संसद के उन सदस्यों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है, जिन्होंने पार्टीगेट कांड के लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है और पार्टी के नेता बोरिस जॉनसन से प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं।डाउनिंग स्ट्रीट में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन संबंधी कानूनों को तोड़ते हुए पार्टियां करने के मामले गत सप्ताह एक शीर्ष नौकरशाह स्यु ग्रे की जांच रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद से खुलकर आलोचना करने वाले सांसदों की कुल संख्या बढ़कर 26 हो गयी है।

ब्रिटेन के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अटॉर्नी जनरल जेरेमी राइट ने सोमवार को एक बयान में कहा कि जॉनसन को ''इस और भविष्य की सरकारों के भले के लिए'' इस्तीफा दे देना चाहिए।

वहीं, टोरी से सांसद इलियट कोल्बर्न ने कहा कि वह ''सुरक्षा और सफाई कर्मचारियों के खराब बर्ताव के खुलासे से स्तब्ध हैं।'' ग्रे की रिपोर्ट के बाद जॉनसन ने फिर से माफी मांगी और उनकी पार्टी के भीतर ही असंतोष की आवाज तेज हो रही है।

यह खबरें तब आ रही है जब ब्रिटिश मीडिया की खबरों में दावा किया गया है कि जॉनसन की पत्नी कैरी के प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर डाउनिंग स्ट्रीट के फ्लैट में एक अन्य गोपनीय पार्टी के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए हाउस ऑफ कॉमन्स समिति के समक्ष पेश होने की संभावना है।

यूक्रेन में गोलाबारी में फ्रांस के पत्रकार की मौत

पेरिस। फ्रांस के समाचार प्रसारक 'बीएफएम टीवी' ने कहा है कि पूर्वी यूक्रेन में निकासी अभियान को कवर करते समय गोलाबारी में उसके 32 वर्षीय एक पत्रकार की मौत हो गई।'बीएफएम टीवी' ने कहा है कि उसके पत्रकार फ्रेडरिक लेकलेर्क इमहोफ की उस समय मौत हो गई जब वह डोनबास क्षेत्र में सिविएरोदोनेत्सक शहर के पास एक बख्तरबंद वाहन में मानवीय अभियान को कवर कर रहे थे। इस क्षेत्र में यूक्रेन की सेना और रूसी सैनिकों के बीच भीषण जंग जारी है।

पत्रकार फ्रांस के नागरिक थे और पिछले छह साल से चैनल के लिए काम कर रहे थे। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों ने ट्वीट कर पत्रकार इमहोफ को श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। मैक्रों ने ट्वीट में कहा कि इमहोफ युद्ध की हकीकत दिखाने के लिए यूक्रेन में थे।

उन्होंने कहा कि लोगों की निकासी के दौरान रूसी सेना की बमबारी के बीच वह हमले के शिकार हुए। फ्रांस की विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना ने हमले में पत्रकार की मौत को 'बेहद दुखद' करार दिया।उन्होंने कहा, ''फ्रांस मांग करता है कि इस त्रासदी के हालात पर प्रकाश डालने के लिए जल्द से जल्द एक पारदर्शी जांच शुरू की जाए।'' इससे पहले, लुहांस्क क्षेत्र के गवर्नर सरहेई हैदई ने टेलीग्राम पोस्ट के जरिए हमले में पत्रकार की मौत की जानकारी दी।

ब्रिटिश मंत्री ऋषि सुनक की अरबपति पत्नी अक्षता मूर्ति ने बनाए दुनिया के सुपर-अमीरों से व्यापारिक संबंध

दुनिया । यूके के चांसलर ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति (Akshata Murty) ने अपनी निजी निवेश फर्म, कैटामारन वेंचर्स यूके (Catamaran Ventures UK) के माध्यम से दुनिया के कुछ सबसे अमीर परिवारों के साथ अच्छे संबंध विकसित किए हैं. असूचित फाइलिंग से पता चलता है कि मूर्ति का पारिवारिक कार्यालय दारा5 (daraz) का प्रारंभिक समर्थक था, जो ÷अगली पीढ़ी के वैश्विक नेताओं÷ के लिए एक निजी निवेश समुदाय था, जिसे 2019 में कतर के शासक वंश, अल-थानी परिवार के एक सदस्य द्वारा सह-स्थापित किया गया था.

ब्लूमबर्ग की खबर के अनुसार कैटमारन ने द न्यू क्राफ्ट्समेन, एक लक्जरी ब्रिटिश फर्नीचर बाज़ार में भी हिस्सेदारी हासिल कर ली है, जिसके शेयरधारकों में रूपर्ट मर्डोक की बेटी, फ्रूडेंस और अल ताजिर परिवार शामिल हैं, जो लंदन के नाइट्सब्रिज जिले में पार्क टॉवर होटल के अमीराती मालिक हैं. ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, 42 वर्षीय मूर्ति, जो भारत में पैदा हुई थी और अभी भी एक भारतीय नागरिक है, उनके पिता नारायण मूर्ति द्वारा स्थापित सॉफ्टवेयर दिग्गज इंफोसिस लिमिटेड में उनकी हिस्सेदारी के कारण उनकी कुल संपत्ति लगभग 1.2 बिलियन डॉलर है. बंगलौर स्थित कंपनी के शेयरों में 2,000त्न से अधिक की वृद्धि हुई है. मूर्ति को पहली बार 2001 में एक शेयरधारक के रूप में सार्वजनिक रूप से प्रकट किया गया था.

कटमरैन वेंचर्स, बंगलौर में स्थित मूर्ति परिवार की मुख्य निवेश इकाई का नाम है. नारायण मूर्ति फर्म के अध्यक्ष हैं. भारत में इसके लगभग 15 कर्मचारी है. जो ई-स्पोर्ट्स, बीमा और एलन मस्क की स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कार्पोरेशन में फैले 1 बिलियन डॉलर से अधिक की होल्डिंग्स का कार्य देखते हैं.

अक्षता मूर्ति ने LinkedIn पर कैटामारन वेंचर्स को लंदन और बैंगलोर में स्थित एक पारिवारिक कार्यालय के रूप में वर्णित किया है, जो यूके में स्थानीय ब्रांडों पर ध्यान केंद्रित करता है. जिन्हें पूंजी, प्रबंधन विशेषज्ञता और नेटवर्क भागीदारों की आवश्यकता होती है. अक्षता मूर्ति ब्रिटिश शाखा की एकमात्र निदेशक और शेयरधारक हैं.

क्या कोरोना की तरह वैश्विक महामारी का रूप लेगा मंकीपॉक्स? WHO ने दिया बड़ा बयान

दुनिया । इस समय दुनिया के कई देशों में मंकीपॉक्स के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि क्या मंकीपॉक्स कोरोना वायरस की तरह वैश्विक महामारी का रूप लेगा। हालांकि इसको लेकर अब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बड़ी जानकारी साझा की है।

मंकीपॉक्स के बारे में अभी बहुत कुछ जानना बाकी

डब्ल्यूएचओ ने सोमवार को कहा कि उसे अभी इस बात की चिंता नहीं है कि अफ्रीकी देशों से परे मंकीपॉक्स एक वैश्विक महामारी को जन्म दे सकता है। मंकीपॉक्स को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की शीर्ष विशेषज्ञ ने कहा है कि उन्हें नहीं लगता यह बीमारी एक महामारी का रूप लेगी, लेकिन इसके बारे में अभी बहुत कुछ जानना बाकी है।

समलैंगिकों को लेकर दी चेतावनी

उन्होंने कहा कि एक सवाल यह है कि यह बीमारी वास्तव में किस तरह फैलती है और क्या दशकों पहले चेचक टीकाकरण पर रोक लगाए जाने के कारण किसी तरह इसका प्रसार तेज हो सकता है। डब्ल्यूएचओ की डॉक्टर रोजमंड लुईस ने सोमवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि इस बात पर जोर देना महत्वपूर्ण है कि विश्व स्तर पर दर्जनों देशों में अधिकतर समलैंगिक, उभयलिंगी या पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुष मंकीपॉक्स के शिकार हुए हैं

India Pakistan Relation: भारत और पाकिस्तान में गतिरोध खत्म करने को पर्दे के पीछे चल रही वार्ता, जानें इसकी वजह

इस्लामाबाद। नई दिल्ली में भारत व पाकिस्तान के बीच सिंधु जल बंटवारे को लेकर आयोजित बैठक के बीच एक पाकिस्तानी अखबार ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि गतिरोध समाप्त करने के लिए दोनों देश पर्दे के पीछे बातचीत कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वर्षों से तनावपूर्ण रहे दोनों देशों के संबंध अगस्त 2019 में भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद काफी खराब हो गए हैं।

पर्दे के पीछे वार्ता की शुरुआत

दोनों देशों के राजनयिक संबंधों में कड़वाहट पैदा हो गई, द्विपक्षीय कारोबार स्थगित है और रचनात्मक वार्ताएं भी नहीं हो रही हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कार्यभार संभालने से पहले ही दोनों देशों में पर्दे के पीछे वार्ता की शुरुआत हो चुकी है।

रास्ता तलाशने में जुटे दोनों देश

रिपोर्ट में कहा गया है कि संपर्कों की वजह से फरवरी 2021 में युद्धविराम समझौते का नवीकरण हुआ और तब से इसके उल्लंघन की कोई बड़ी घटना

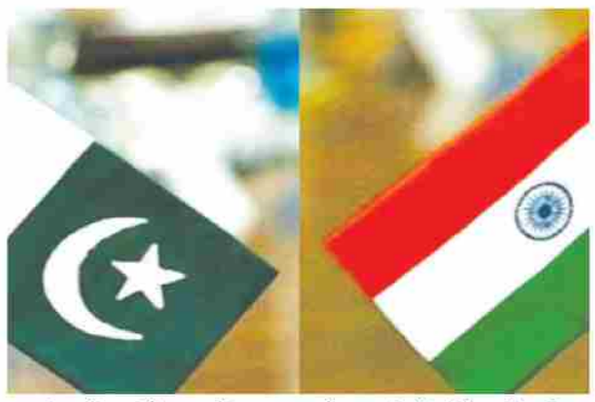

सामने नहीं आई है। हालांकि, यह प्रक्रिया दोनों देशों के बीच वार्ता की बहाली में कोई बड़ी भूमिका नहीं निभा सकी। पाकिस्तान में नई सरकार के गठन के बाद दोनों देश आधिकारिक वार्ता के लिए रास्ता तलाशने में जुट गए हैं।

एकदूसरे के संपर्क में दोनों देश

आधिकारिक सूत्रों ने कहा, 'इसे बैक चैनल, ट्रैक-2 या पर्दे के पीछे की वार्ता कहना उचित होगा। मैं सिर्फ इसकी पुष्टि कर सकता हूं कि दोनों देशों के संबंधित लोग संपर्क में हैं।' एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने पाकिस्तान की गठबंधन सरकार के एक वरिष्ठ सदस्य के हवाले से कहा, 'हमारी नीति स्पष्ट है। हम भारत समेत सभी देशों के साथ बातचीत व मेलजोल रखना चाहते हैं।

व्यापारिक संबंधों की पुनर्बहाली से हो सकती है शुरुआत

सूत्रों ने भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत शुरू करने की इस कवायद के लिए अमेरिका व ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों की सिफारिशों को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दावा किया कि भारत पहले व्यापारिक संबंध बहाल करने में दिलचस्पी रखता है। शीर्ष तीन गेहूं उत्पादक देशों में शुमार भारत संकटग्रस्त पाकिस्तान को गेहूं निर्यात की इच्छा रखता है।

रूसी जासूस का बड़ा खुलासा, आंखों की रोशनी खो रहे राष्ट्रपति पुतिन, जिंदगी के बचे बस 3 साल?

दुनिया । एक रूसी खुफिया अधिकारी ने दावा किया है कि तेजी से बढ़ रहे कैंसर के कारण राष्ट्रपति पुतिन की आंखों की रोशनी जा रही है। यह यूक्रेन संघर्ष के बीच रूसी राष्ट्रपति के बिगड़ते स्वास्थ्य के बारे में अटकलों से अंदाजा लगाया जा रहा है। हालांकि, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को ऐसी सभी रिपोर्टों का खंडन किया और कहा कि ऐसी किसी भी बीमारी के कोई संकेत नहीं हैं।रूसी संघीय सुरक्षा सेवा (FSB) अधिकारी का हवाला देते हुए इंडिपेंडेंट ने बताया कि 69 वर्षीय पुतिन के पास जीने के लिए केवल तीन और साल बचे हैं।इंडिपेंडेंट ने यह भी बताया कि एफएसबी अधिकारी ने पूर्व रूसी जासूस बोरिस कार्पिचकोव को एक संदेश में पुतिन के स्वास्थ्य पर कई बड़े खुलासे किए है। आपको बता दें कि बोरिस कार्पिचकोव यूके में रहते हैंDNews.com.au द्वारा जारी स्नस्क्र अधिकारी के संदेश के एक हिस्से में कहा गया है कि ÷हमें बताया गया है कि वह सिरदर्द से पीड़ित है और जब वह टीवी पर देखकर बात करते है तो उन्हें बड़े अक्षरों में लिखे गए कागज के टुकड़ों की आवश्यकता होती है ताकि वह पढ़ सके कि वह क्या कहने जा रहे है।

उनकी आखों की रोशनी गंभीर रूप से खराब हो रही है।मेट्रो और एक्सप्रेस की अन्य मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पुतिन के अंग अनियंत्रित कांपते हैं।रूसी विदेश मंत्री, सर्गेई लावरोव ने पुतिन के स्वास्थ्य के बारे में प्रसारित होने वाली रिपोर्टों का पूरी तरह से खंडन किया। रूसी मंत्री ने फ्रांस के प्रसारक ञ्जख्र1 के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ÷मुझे नहीं लगता कि कोई भी समझदार व्यक्ति पुतिन में किसी तरह की बीमारी या बीमारी के लक्षण देख सकता हैं।÷लावरोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति, जो अक्टूबर में 70 वर्ष के होने वाले हैं, हर दिन सार्वजनिक रूप से दिखाई देते हैं।

पाकिस्तान में बदतर हुए हालात, भीषण गर्मी के बीच पानी की किल्लत से जूझ रही देश की जनता

इस्लामाबाद। इस वक्त पाकिस्तान संकटों से घिरा है। सिंध समेत देश के कई हिस्सों में रहने वाले लोगों को भीषण गर्मी से जूझना पड़ रहा है। यहां का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। इसके साथ ही पानी की किल्लत से स्थिति और बदतर हो रही है। यहां न तो पीने का पानी है ओर न ही खेत में फसलों के लिए पानी मिल पा रहा है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि जून में भी गर्मी की यही दशा रहेगी। यदि यही हाल बना रहा तो इस बार देश में फसल अच्छी नहीं होगी और खाने के पाकिस्तान के दक्षिण सिंध प्रांत का किसान खालिद बक्स ने अपनी चिंता जाहिर की।दरअसल उन्होंने खेत में गन्ने और रुई की फसल लगाई है जो पानी न होने के कारण सूखने की कगार पर है। उन्होंने बताया, 'पिछले साल भी पानी की किल्लत के कारण फसल उतनी अच्छी नहीं हुई जितनी उम्मीद थी। लेकिन इस बार पानी का संकट काफी अधिक है। नहर सूख रहे हैं, और हमारे पास कोई ऐसा संसाधन नहीं हैं कि हम अपनी फसलों में पानी दे सकें।' यदि हालात ऐसे ही रहे तो स्थानीय किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाएगा।'न्यूज एजेंसी सिन्हुआ से बातचीत में सिंध के मुख्यमंत्री के सलाहकार मंजूर वासन (Manzoor Wassan) ने कहा कि पानी की कमी से करीब-करीब अधिकांश फसलें खराब हो गई हैं। उन्होंने आशंका जताई कि आने वाले दिनों में यह और भी खराब होंगी। सिंध में आम, काली मिर्च, काटन, चावल, गेहूं और गन्नों समेत कई फसलें होती हें लेकिन पानी की कमी के कारण इस बार किसानों को संकट से जूझना पड़ रहा है।

खराब मौसम के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ तारा एअर का विमान : सीएएएन

काठमांडू7 नेपाल के पर्वतीय मुस्तांग जिले में रविवार को तारा एअर का विमान खराब मौसम की वजह से दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) की प्रारंभिक जांच में यह पता चला है। विमान में चार भारतीय समेत 22 यात्री सवार थे।कनाडा में निर्मित ट्वीन ओट्टर 9एन एईटी विमान रविवार सुबह पर्यटक शहर पोखरा से उड़ान भरने के कुछ मिनटों बाद पर्वतीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में चार भारतीय, दो जर्मन और 13 नेपाली यात्रियों के अलावा चालक दल के तीन नेपाली सदस्य सवार थे।

अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने तारा एअर विमान दुर्घटना की वजह का पता लगाने के लिए वरिष्ठ वैमानिक इंजीनियर रतिश चंद्र लाल सुमन की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया है।

सीएएएन के महानिदेशक प्रदीप अधिकारी ने सोमवार को संसद की अंतरराष्ट्रीय समिति की बैठक में कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विमान खराब मौसम के कारण बाईं ओर मुड़ने के बजाय दाईं ओर मुड़ने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान का मलबा सोमवार सुबह मुस्तांग जिले की थसांग ग्रामीण म्युनिसिपैलिटी-2 में मिला। दुर्घटनास्थल जोमसोम हवाई अड्डे से आठ समुद्री मील की दूरी पर स्थित है।बचावकर्ताओं ने अभी तक दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से 20 शव निकाले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि घटना की मुख्य वजह खराब मौसम होने की संभावना है।

सीएएन के पूर्व महानिदेशक राज कुमार छेत्री ने कहा कि विमान की आयु इस दुर्घटना की वजह नहीं है। उन्होंने कहा, ''घटना के पीछे रविवार को खराब मौसम की वजह हो सकती है।'' उन्होंने कहा कि हालांकि, इस घटना के पीछे की वजह जांच पूरी होने के बाद ही पता चलेगी।

छेत्री ने रिपब्लिका से कहा, ''हमारी भौगोलिक स्थिति ज्यादा ऊंचे पर्वतों की है, साथ ही लगातार बदलती हवा और मौसम की प्रवृत्तियों से विमानों को ऊंचे इलाकों में और कम दृश्यता में दिक्कतें होती हैं।

रूस के कारण अनाज निर्यात नहीं कर पा रहा यूक्रेन, वीडियो संबोधन में जेलेंस्की ने दिया बड़ा बयान

कीव (यूक्रेन)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने यूक्रेन के समुद्री बंदरगाहों को बंद कर दिया है, जिससे वे 2.2 करोड़ टन अनाज निर्यात नहीं कर पा रहे हैं। जेलेंस्की ने मंगलवार रात दिए एक वीडियो संबोधन में कहा कि रूस के इस कदम से यूक्रेन से पहुंचने वाले अनाज पर निर्भर देशों में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है और एक नया प्रवास संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया, ''यकीनन रूसी नेतृत्व ऐसा ही चाहता है।'' साथ ही, यूक्रेन के राष्ट्रपति ने दावा किया कि कि यूक्रेन में रूसी हमले की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 32 मीडियाकर्मी मारे गए हैं। जेलेंस्की ने फ्रांस की विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना के साथ हुई एक बैठक में फ्रांस से खाद्य आपूर्ति पर रूसी हथकंडों के आगे नहीं झुकने का आग्रह भी किया।

मॉस्को, रूस की सरकारी गैस कंपनी 'गजप्रोम' ने सोमवार को पुष्टि की कि रूबल (रूसी मुद्रा) में भुगतान करने से इनकार करने के कारणउसने नीदरलैंड के एक गैस व्यापारी को मंगलवार से गैस आपूर्ति रोकने का फैसला किया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस साल की शुरुआत में यूरोपीय देशों से रूबल में भुगतान करने को कहा था। पेरिस, फ्रांसीसी समाचार एजेंसी 'बीएफएम टीवी' का कहना है कि यूक्रेन में ''एक मानवीय अभियान की कवरेज के दौरान'' उसके पत्रकार फ्रेडरिक लेकलेर्क इमहोफ (32) की हत्या कर दी गई।'बीएफएम टीवी' के मुताबिक, इमहोफ की उस समय हत्या कर दी गई, जब वह डोनबास क्षेत्र में सिविएरोदोनेत्सक शहर के पास एक बख्तरबंद वाहन में मानवीय अभियान को कवर कर रहे थे। मालूम हो कि इस क्षेत्र में यूक्रेनी और रूसी सैनिकों के बीच भीषण जंग जारी है। इमहोफ फ्रांस के नागरिक थे और पिछले छह साल से चैनल के लिए काम कर रहे थे। मॉस्को, क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति का कार्यालय) ने सोमवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन के साथ टेलिफोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन के हालात समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। क्रेमलिन की ओर से जारी बयान के अनुसार, पुतिन और एर्दोगन ने काला सागर व अजोव सागर क्षेत्र की सुरक्षा पर गहन चर्चा की। पुतिन ने एर्दोगन को भरोसा दिलाया कि अगर उस पर से प्रतिबंध हटा लिए जाते हैं तो मॉस्को भारी मात्रा में उर्वरकों और कृषि उत्पादों का निर्यात कर सकता है।वाशिंगटन, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उनकी यूक्रेन में लंबी दूरी की रॉकेट प्रणाली भेजने की कोई योजना नहीं है। ऐसी खबरें आ रही थीं कि अमेरिका कीव को लंबी दूरी की रॉकेट प्रणाली उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है। बाइडन ने सोमवार को व्हाइट हाउस के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में स्पष्ट किया, ''हम रूस को निशाना बनाने वाली रॉकेट प्रणाली यूक्रेन नहीं भेजने जा रहे हैं।'' बाइडन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रूस की सुरक्षा परिषद के उप-प्रमुख दमित्री मेदवेदेव ने कहा कि यह एक 'उचित' फैसला है।

ब्रसेल्स (बेल्जियम), यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं ने सोमवार को रूस पर नए प्रतिबंधों के हिस्से के रूप में साल के अंत तक ईयू में रूसी तेल के अधिकांश आयात को प्रतिबंधित करने को लेकर सहमति जताई। यूरोपीय संघ की कार्यकारी शाखा की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि दंडात्मक कदम ''वर्ष के अंत तक रूस से ईयू के लिए तेल आयात में प्रभावी रूप से लगभग 90 प्रतिशत की कटौती करेगा।

'' मिशेल ने बताया कि ईयू नेता युद्धग्रस्त देश की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए यूक्रेन को नौ अरब यूरो की सहायता देने पर भी सहमत हुए हैं।

World Most Expensive House: दुनिया के सबसे महंगे घर में रहने का है सपना, किराया सुनकर रह जाएंगे दंग

दुनिया. ब्रिटेन का शाही परिवार (British Royal Family) दुनिया में जितना अधिक चर्चा में रहता है, उतनी ही बातें शाही महल 'बकिंघम पैलेस' को लेकर होती हैं. हर किसी का सपना होता होगा कि वह इस महल में रह सके. इसके साथ ही यह भी खयाल आता होगा कि इस महल को खरीदने के लिए कितनी रकम खर्च करनी होगी. बता दें कि इस महल में रहने का किराया करोड़ों में हो सकता है. एक स्टडी में ये बात सामने आई है.1.3 बिलियन डॉलर है कीमत

'द बिजनेस टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, यदि आप शाही तरीके से रहना चाहते हैं, तो आपको बकिंघम पैलेस (Buckingham Palace) की जरूरत होगी. इसके लिए आपको 1.3 बिलियन पाउंड यानी कि 2.24 बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 1,73,84,75,20,000 रुपये) खर्च करने पड़ सकते हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो ब्रिटेन के शाही परिवार का घर बकिंघम पैलेस दुनिया का सबसे महंगा घर है.

सचिन की सर्वश्रेष्ठ आईपीएल टीम के कप्तान बने हार्दिक, रोहित और विराट शामिल नहीं

मुबई (एजेंसी)।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने आईपीएल 2022 की अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम ग्यारह में रोहित शर्मा और विराट कोहली को शामिल नहीं किया है। सचिन के अनुसार उन्होंने उन्होंने इस टीम का चयन इस सत्र के प्रदर्शन के आधार पर किया है।

सचिन ने कहा, ' इसका खिलाड़ियों के पिछले प्रदर्शन या उनके नाम और रिकार्ड से कोई मतलब नहीं है। यह पूरी तरह से इस सत्र में किये प्रदर्शन पर चयनित की गयी है।' तेंदुलकर ने अपनी इस टीम का कप्तान हार्दिक पंड्या को बनाया है क्योंकि उनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस टीम अपने पहले ही आईपीएल में खिताब जीती है। इस टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर जोस बटलर और शिखर धवन को रखा गया है।

बटलर ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए आईपीएल के 15वें सीजन में सबसे ज्यादा 863 रन बनाए जबकि धवन ने पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए 14 मैचों में 460 रन बनाये। वहीं तीसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के लोकेश राहुल को शामिल किया है। राहुल आईपीएल के 15वें सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने 15 मैचों में 2 शतक लगाकर 616 रन बनाये। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के पंड्या को जगह मिली। पंड्या ने इस नंबर पर उतरते हुए इस सत्र में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके बाद लियाम लिविंगस्टोन और दिनेश कार्तिक को रखा गया। वहीं गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह , मोहम्मद शमी तेज गेंदबाज जबकि युजवेंद्र चहल और राशिद खान स्पिनर के तौर पर रखे गये हैं।

सचिन तेंदुकर की अंतिम ग्यारह इस प्रकार है: हार्दिक पंड्या (कप्तान), जोस बटलर, शिखर धवन, लोकेश राहुल, डेविड मिलर, लियाम लिविंगस्टोन, दिनेश कार्तिक, राशिद खान, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और युजवेंद्र चहल।

इलावेनिल , रमिता और श्रेया ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की इलावेनिल वालारिवान, रमिता और श्रेया अग्रवाल ने अजरबैजान में जारी आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। इलावेनिल , रमिता और श्रेया ने डेनमार्क की अन्ना नीलसन, एम्मा कोच और रिक्के माएंग इबसेन को 17-5 से हराया। वहीं पोलैंड को कांस्य पदक मिला।

दुनिया की पूर्व नंबर एक निशानेबाज इलावेनिल , रमिता और श्रेया दो दौर के क्वालीफिकेशन के बाद फाइनल में पहुंची थी। पहले क्वालीफिकेशन में उन्होंने 944.4 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया था जबकि दूसरे क्वालीफिकेशन में वह दूसरे स्थान पर रही थी , डेनमार्क पहले स्थान पर रही। वहीं दूसरी ओर पुरूषों की एयर राइफल टीम स्पर्धा में भारत के ही रूद्राक्ष पाटिल, पार्थ माखीजा और धनुष श्रीकांत को कांस्य पदक मुकाबले में क्रोएशिया के हाथों 10-16 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को अभी पदक तालिका में पांचवां स्थान मिला है जबकि सर्बिया की नंबर नंबर एक पर बनी हुई है।

मासिक धर्म के कारण मैच हारी चीनी खिलाड़ी किन्वेन झेंग...

बोली- काश मैं मर्द होती

पेरिस (एजेंसी)।

चीन की युवा टेनिस खिलाड़ी किन्वेन झेंग ने फ्रेंच ओपन में हार के लिये अपने मासिक धर्म को दोष देते हुए कहा कि काश वह मर्द होतीं तो उन्हें इसका सामना नहीं करना पड़ता। किन्वेन झेंग को विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वीयातेक के खिलाफ हुए मैच में 5-7(5), 6-0, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद 19 वर्षीय झेंग ने कहा कि 'लड़कियों वाली समस्या' के कारण उन्हें दर्द उठा जो उनकी हार का कारण बना। उन्होंने मासिक धर्म के दौरान महिलाओं के संघर्ष के बारे में भी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ लड़कियों की समस्या है, आप जानते हैं। पहला दिन हमेशा इतना कठिन होता है, फिर मुझे खेलना होता है और पहले दिन मुझे हमेशा इतना दर्द होता है। मैं अपने स्वभाव के खिलाफ नहीं जा सकती। काश मैं कोर्ट में एक आदमी हो सकती, मैं वास्तव में चाहती हूं कि मैं आदमी बन जाऊं ताकि मुझे इससे न जूझना पड़े। यह कठिन है। दुनिया की 74वें स्थान की खिलाड़ी झेंग को दूसरे सेट में 3-0 के बाद मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा, जिसके दौरान उन्होंने अपनी पीठ की मालिश करवाई और अपनी दाहिनी जांघ पर पट्टी बांधकर वापस आ गईं। उन्हें इलाज से ज्यादा मदद नहीं मिली और वह लगातार आठ गेम हार गईं। उन्होंने कहा कि पहले सेट में मैं खेल पर ध्यान दे रही थी और मुझे ज्यादा दर्द भी नहीं था। उसके कुछ देर बाद मेरे पेट में बहुत तेज दर्द उठा। मैं उससे लडना चाहती थी, मैं सचमुच लड़ना चाहती थी, लेकिन मेरे अंदर और शक्ति नहीं बची थी और हालात बहुत कठिन हो गये थे। मैं अपने प्रदर्शन से बिल्कुल खुश नहीं हूं।

अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में व्यस्त रहेगी भारतीय टीम

मुबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद अब भारतीय टीम को अगले छह माह तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना है। टीम इंडिया का अगले छह महीने अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम काफी व्यस्त है। भारतीय टीम सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका से द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी। इसके बाद उसे एशिया कप 2022, टी20 विश्व कप और इंग्लैंड , आयरलैंड, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलनी है।

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टी20 विश्वकप से पहले तकरीबन 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज भी खेलनी है। इस सीरीज के लिए नियमित कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। ऐसे में लोकेश राहुल टीम की कप्तानी करेंगे। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी इंग्लैंड दौरे से पहले तरोताजा होने के लिए आराम दिया है। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर तीन अभ्यास मैच, तीन एकदिवसीय, 3 टी20 और एक टेस्ट खेलना है। यह वही टेस्ट है जो गत वर्ष कोरोना संक्रमण के कारण नहीं हो पाया था।

इसके बाद भारतीय टीम युवा खिलाड़ियों के साथ आयरलैंड दौरे पर दो टी20 मैच डबलिन में खेलेगी। इस दौरे पर कोच के तौर पर वीवीएस लक्ष्मण टीम के साथ रहेंगे। वहीं राहुल द्रविड़ इंग्लैंड में मुख्यकोच के तौर पर टीम पर साथ रहेंगे। आयरलैंड दौरे के बाद भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। यह सीरीज जुलाई में होने की संभावना है और इसमें भारतीय टीम को तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैच खेलने हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम का टी20 विश्व कप 2022 तक का कार्यक्रम इस प्रकार है :

भारत और दक्षिण अफ्रीका - जून (5 टी20)
भारत का आयरलैंड दौरा- जून (2 टी20)
भारत का इंग्लैंड दौरा- जून/जुलाई (1 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 3 टी20)
भारत का वेस्टइंडीज दौरा- जुलाई/अगस्त (3 एकदिवसीय, 5 टी20)
भारत का श्रीलंका दौरा- अगस्त (2 टी20)
एशिया कप 2022- अगस्त/सितंबर
भारत और ऑस्ट्रेलिया- सितंबर (3 टी20)
टी20 विश्व कप 2022- अक्टूबर/नवंबर।

बोपन्ना 2015 विम्बलडन के बाद पहले ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में

पेरिस। भारत के रोहन बोपन्ना अपने डच जोड़ीदार एम मिडेलकूप के साथ पिछले सात साल में पहले ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंच गए जिन्होंने फ्रेंच ओपन पुरूष युगल क्वार्टर फाइनल में लॉयड ग्लासपूल और हेनरी हेलियोवारा को हराया। बोपन्ना और मिडेलकूप ने ब्रिटेन के ग्लासपूल और फिनलैंड के हेलियोवारा पर 4-6, 6-4, 7-6 से जीत दर्ज की। इससे पहले बोपन्ना 2015 विम्बलडन में रोमानिया के फ्लोरिन मर्जिया के साथ सेमीफाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें जीन जूलियन रोजर और होरिया टेकाउ ने हराया था। 42 वर्ष के बोपन्ना और 38 वर्ष के मिडेलकूप अब 12वीं वरीयता प्राप्त मार्सेलो अरेबालो और जीन जूलियन रोजर से खेलेंगे। बोपन्ना और मिडेलकूप ने पहला सेट गंवाने के बाद दमदार वापसी करके दोनों सेट जीते । उन्होंने विम्बलडन चैम्पियन जोड़ी मेट पेविच और निकोला मेकटिच को इससे पहले शनिवार को हराया था।

सरवन ने वेस्टइंडीज क्रिकेट के चयनकर्ता पद से इस्तीफा दिया

जमैका । वेस्टइंडीज क्रिकेट में मतभेद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब टीम के पूर्व कप्तान रामनरेश सरवन ने पुरुष सीनियर और जूनियर टीम के चयनकर्ता पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। सरवन ने हालांकि अपने इस्तीफे के पीछे निजी कारण बताये हैं पर अचानक ही उनके पद छोड़ने से सवाल उठने लाजिमी हैं। सरवन का कार्यकाल साल 2024 तक था। उन्होंने पांच माह पहले ही चयनकर्ता पद संभाला था। वहीं वेस्टइंडीज बोर्ड ने सरवन का इस्तीफा स्वीकार करते हुए अंतरिम तौर पर रॉबर्ट हेंस को चयनकर्ता बनाया है। .हेंस इस समय जूनियर पैनल की चयनसमिति के सदस्य हैं। वहीं पूर्व बल्लेबाज डेसमंड हेंस सीनियर पुरुष टीम के मौजूदा चयन पैनल के प्रमुख हैं। टीम के मुख्य कोच फिल सिमंस हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज के निदेशक जिमी एडम्स ने सरवन के इस्तीफे पर निराश व्यक्त करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट में उनका अहम योगदान रहा है। एडम्स ने कहा, 'क्रिकेट में उनके लंबे अनुभव को देखते हुए हम निराश हैं कि सरवन चयनकर्ता की भूमिका को जारी नहीं रखना चाहते। हमने इसके कारणों को समझकर उनके इस्तीफे को स्वीकार किया है। हम उनके योगदान के लिए आभारी हैं।'

बावूमा की कप्तानी में गुरुवार को भारत पहुंचेगी दक्षिण अफीकी टीम

मुबई (एजेंसी)।

टेंबा बावूमा की कप्तानी में दक्षिण अफीकी टीम गुरुवार को भारत दौरे पर पहुंचेगी। दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने इस दौरे में 5 मैचों की घरेलू टी20 सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 9 जून से शुरु होगी ओर इसके लिए भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों को 5 जून तक नई दिल्ली पहुंचना होगा। दोनो ही टीमों के बीच सीरीज का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9 जून को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा।

भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की थी। इस दौरे में भारतीय टीम की कप्तानी युवा लोकेश राहुल को सौंपी गयी है जबकि उप कप्तानी की जिम्मेदारी विकेटकीपर ऋषभ पंत को मिली है। . सीरीज का दूसरा टी20 मैच 12 जून को कटक में जबकि तीसरा विशाखापत्तनम में 14 जून को खेला जाएगा। चौथा टी20 17 जून को राजकोट में वहीं सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 19 जून को बैंगलोर में खेला जाएगा।

भारतीय टीम: लोकेश राहुल (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उप कप्तान/विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर) , हार्दिक पंड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक।

दक्षिण अफ्रीकी टीम: टेंबा बावूमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीज हेंड्रिक्स, हेनरिच क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंबी एंगिडी, एनरिच नोर्खिया, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टियन स्टब्स, रासी वान डेर डुसन और मार्को यानसेन।

नॉर्वे शतरंज : कार्लसन को हराकर चौथे स्थान पर पहुंचे आनंद

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने नॉर्वे शतरंज मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया है। आनंद ने ब्लिट्ज वर्ग में नार्वे के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को सातवें दौर में पराजित किया। वहीं आनंद को चौथे दौर में नीदरलैंड के अनीश गिरी और नौवें दौर में फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार ब्लिट्ज वर्ग में आनंद को पांच अंक मिले। इसमें आनंद ने नॉर्वे के आर्यन तारी को पहले दौर में हराया जबकि दूसरे दौर में वेसली सो से उनका मुकाबला बराबरी पर रहा। तीसरे दौर में उन्होंने वेसलीन टोपालोव को हराया जबकि तैमूर राजाबोव के साथ उनकी बाजी बराबरी पर रही। गिरी से हारने और चीन के हाओ वांग से ड्रॉ खेलने के बाद उन्होंने कार्लसन को हराया पर इसके बाद शखरियार मामेदियारोव से उनका मुकाबला ड्रॉ रहा पर लाग्रेव से वह हार गए। इस दौरान अमेरिका के वेसली सो 6.5 अंक लेकर शीर्ष पर रहे जबकि 5.5 अंकर लेकर कार्लसन दूसरे स्थान पर रहे जबकि गिरी तीसरे स्थान पर रहे।

कतर विश्व कप के बाद संन्यास लेंगे अर्जेंटीना के फुटबॉलर डि मारिया

यूनस आयर्स (एजेंसी)।

अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी एंजल डि मारिया ने मंगलवार को कहा कि वह इस साल कतर में होने वाले फुटबॉल विश्व कप के बाद सन्यास ले लेंगे। डि मारिया ने यहां वेंब्ली में इटली के खिलाफ बुधवार को होने वाले मैच से पहले से कहा कि इस विश्व कप के बाद (संन्यास का) समय हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत से खिलाड़ी हैं जो बेहतर होते जा रहे हैं। धीरे-धीरे वे दिखा देंगे कि वे इस स्तर के लिये तैयार हैं।

34 वर्षीय डि मारिया ने राष्ट्रीय टीम के लिए 121 मैच खेले और 24 गोल किए हैं। उन्होंने पिछली जुलाई में कोपा अमेरिका के फाइनल में अर्जेंटीना के लिए एकलौता गोल किया था जिसकी बदौलत उनकी टीम ने ब्राज़ील को 1-0 से हराकर 28 वर्षों में अपना पहला बड़ा खिताब जीता था। डि मारिया आने वाली गर्मियों में पीएसजी का दामन भी छोड़ देंगे। अभी तक यह निर्धारित नहीं हो पाया है कि वह अपना अगला क्लब फुटबॉल सीज़न किस टीम की ओर से खेलेंगे, लेकिन उन्होंने कहा है कि इतने सालों बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते रहना खुदगर्जी होगी।

मेस्सी ने कहा- इस फुटबॉलर को मिलना चाहिए बेलोन डि'ओर अवॉर्ड

ब्यूनस आयर्स । अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि चैम्पियंस लीग विजेता रीयाल मैड्रिड के स्ट्राइकर करीम बेंजेमा इस साल अपना पहला बेलोन डि'ओर पुरस्कार जीतने के हकदार हैं। मेस्सी ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में रिकॉर्ड 7 बार बेलोन डि'ओर पुरस्कार जीता है। बेंजेमा की हैट्रिक से रीयाल मैड्रिड ने मेस्सी की नई क्लब टीम पेरिस सेंट जर्मेन को चैम्पियंस लीग के अंतिम 16 दौर के मैच में हराया था। बेंजेमा ने इसके बाद क्वार्टर फाइनल में चेल्सी के खिलाफ चार और सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ तीन गोल किए थे। मेस्सी ने अर्जेंटीना टीवी चैनल से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है, यह बहुत साफ है कि यह साल बेंजेमा के लिए शानदार रहा। उसे इस साल यह खिताब मिलना चाहिए। बेंजेमा ने इस सत्र में अपने क्लब के साथ 46 मैचों में 44 गोल किए। उन्होंने इस दौरान मैड्रिड के लिए सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में दूसरे स्थान पर काबिज महान खिलाड़ी राउल गोंजालेज के 323 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की। इस सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो 451 गोल के साथ शीर्ष पर हैं।

एफआईएच विश्व हॉकी रैंकिंग में मिला अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्थान, भारतीय महिला टीम छठे पायदान पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच विश्व हॉकी रैंकिंग में अपनी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करते हुए छठे स्थान पर पहुंच गई। महिलाओं की रैंकिंग में अर्जेन्टीना (26744.837) की टीम दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया (2440.750), इंग्लैंड (2204.590) और जर्मनी (2201.085) की टीमें क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर बनी हुए हैं। भारतीय टीम (2029.396) ने छठे स्थान पर स्पेन (2016.149) की जगह ली, जो सातवें पायदान पर खिसक गया। स्पेन हाल ही में अर्जेंटीना से अपने दोनों एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 मैच हार गई थी, और बेल्जियम और इंग्लैंड से भी एक-एक हार गई थी। इसके बाद बेल्जियम, न्यूजीलैंड और जापान की टीम शीर्ष 10 में हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम वर्तमान में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 तालिका में 8 खेलों में 22 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत 11 जून, 2022 और 12 जून, 2022 को बेल्जियम के खिलाफ डबल-हेडर में फेस ऑफ होगा। छठे स्थान पर पहुंचने पर बोलते हुए भारतीय महिला हॉकी की मुख्य कोच जननेके शोपमैन ने कहा, ÷एक टीम के रूप में, हमारा लक्ष्य महिला हॉकी में सुधार और विकास करना और लगातार दावेदार बनना है। एफआईएच विश्व रैंकिंग में वृद्धि एक अच्छा संकेतक है कि हम सही ट्रैक पर हैं। उन्होंने कहा कि उसी समय एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग और एफआईएच महिला विश्व कप के साथ, चीजें जल्दी से बदल सकती हैं और इसलिए हमें अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जताई। ÷यह पिछले कुछ महीनों में हमारी टीम द्वारा की गई सभी कड़ी मेहनत का परिणाम है। हमने मजबूत प्रतिस्पर्धा के खिलाफ एक टीम के रूप में एक साथ काम किया है और अच्छे नतीजे हासिल किए हैं, और हमें गर्व है कि हम एक यूनिट के रूप में एक साथ बढ़ रहे हैं और सीख रहे हैं।

फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में स्वियातेक और पेगुला में होगा मुकाबला

पेरिस । विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियातेक फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। स्वियातेक ने मैच में शानदार वापसी करते हुए चीन की झेंग किवेन को 6-7, 6-0, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। अब इस खिलाड़ी का सामना क्वार्टर फाइनल में 11वीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा पेगुला ने एक अन्य मुकाबले में रोमानिया की इरिना कामेलिया बेगु को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया था। वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में रूस की दारिया कासात्किना का मुकाबला वेरोनिका कुदेरमेतोवा से होगा।

अखिलेश और राहुल दोनों में ज्यादा फर्क नहीं : योगी

लखनऊ, 31 मई (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव की तुलना राहुल गांधी से की।

उन्होंने कहा, ज्यादा फर्क नहीं है। फर्क केवल यही है कि राहुल गांधी देश के बाहर प्रदेश की बुराई करते हैं और आप उत्तर प्रदेश के बाहर राज्य की बुराई करते हैं।

नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को बजट पर चर्चा करते हुए कहा था, मैं एक प्राइमरी स्कूल में गया और एक बच्चे से पूछा कि मुझे पहचाना। छोटा-सा बच्चा बोला कि हां, पहचान लिया। मैंने पूछा कि कौन हूं मैं? इस पर वह बोला, राहुल गांधी। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने इस पर ठहाके लगाए और तंज कसा।

अखिलेश ने कहा था, इन्हें दुख इस बात का नहीं है कि प्रदेश का स्थान शिक्षा में नीचे से चौथे नंबर पर है। इन्हें दुख इस बात का है कि मैंने कांग्रेस के नेता का नाम ले लिया।

योगी ने बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने अपनी बात को मजबूती से रखा, लेकिन कभी-कभार वह फिसल भी जा रहे थे।

मुख्यमंत्री ने अखिलेश के सोमवार के भाषण की याद दिलाते हुए कहा, नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्होंने बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों का दौरा किया। उन्होंने एक बच्चे से पूछा कि मुझे पहचानते हो तो उसने कहा कि हां, आप राहुल गांधी हैं।

उन्होंने व्यंगात्मक लहजे में कहा, बच्चे भोले-भाले, लेकिन मन के सच्चे होते हैं। उस बच्चे ने जो भी बोला होगा, बहुत सोच-समझकर बोला होगा।

उन्होंने कहा, फर्क बहुत ज्यादा नहीं है। फर्क केवल यही है कि राहुल गांधी देश के बाहर उत्तर प्रदेश की बुराई करते हैं और आप उत्तर प्रदेश के बाहर राज्य की बुराई करते हैं।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला बजट बृहस्पतिवार को विधानसभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पेश किया। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए छह लाख 15 हजार 518 करोड़ रुपये का यह बजट प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा बजट बताया जा रहा है।

बजट पर चर्चा में कुल 124 सदस्यों ने हिस्सा लिया, जिसमें सत्ता पक्ष के 75 सदस्यों ने बजट के समर्थन और विपक्ष के 49 सदस्यों ने संशोधन के पक्ष में अपनी बात रखी। योगी ने सभी के प्रति आभार जताया।

उन्होंने कहा कि कई वर्षों के बाद सदन में इतनी गंभीर और समृद्ध चर्चा का अवसर मिला, इससे न केवल सदन की गरिमा बढ़ी, बल्कि आम जनमानस के मन में सम्मान के भाव में भी वृद्धि होगी।

अखिलेश पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने कम से कम समाजवाद के बहाने ही प्रधानमंत्री की गरीब कल्याण योजनाओं को स्वीकार किया है, उसकी सराहना की है, लेकिन ये जो योजनाएं हैं, वे पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की भावना से प्रेरित हैं, जिसके तहत पंडित जी ने कहा था, आर्थिक योजनाओं द्वारा आर्थिक प्रगति का माप समाज की ऊपरी सीढ़ी पर पहुंचे व्यक्ति से नहीं, बल्कि समाज के सबसे निचले पायदान के व्यक्ति से होगा।

योगी ने नेता प्रतिपक्ष के भाषण पर तंज कसते हुए कहा कि मुझे उनके भाषण से दुष्यंत कुमार की ये पंक्तियां याद आ गईं-कैसे मंजर सामने आने लगे हैं, गाते-गाते लोग चिल्लाने लगे हैं।

उन्होंने कहा, हम यहां जो बोलते हैं, वह नष्ट नहीं होता है। हम यहां जो बोलते हैं, वह विधानसभा की संपत्ति का हिस्सा बनेगा। इसलिए जब बोलें तो सोच-समझकर बोलें, ताकि वह लोगों के लिए प्रेरणा बने।

योगी ने दावा किया कि 2022-23 का उत्तर प्रदेश का जो बजट है, वह प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने वाला बजट है।

मुख्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश में जो कुछ हुआ है, हमने कभी नहीं कहा कि सिर्फ हम ही ने किया है। सबने किया है। चार बार सपा को भी शासन का मौका मिला। बसपा की भी सरकार बनी। कांग्रेस ने लंबे समय तक राज किया। भाजपा को भी चौथी बार सत्ता में आने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि हर एक दल ने अपने-अपने शासन में कुछ अच्छा किया, यह अलग विषय है कि परिणाम क्या आए। योगी ने कहा कि परिणाम वही ला सकता है, जो समस्या पर कम और समाधान पर ज्यादा ध्यान देगा। उन्होंने कहा, हम लोग समस्या पर बहुत ज्यादा समय खर्च नहीं करते। हम समाधान खोजने की दिशा में काम करते हैं।

मां की तस्वीर लेने के लिए पीएम मोदी ने तोड़ा सुरक्षा प्रोटोकॉल

शिमला, 31 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शिमला में अपनी मां की फोटो के लिए उच्च सुरक्षा सुरक्षा प्रोटोकॉल को तोड़ दिया।

दरअसल प्रधानमंत्री ने रोड शो के दौरान एक लड़की के पास उनकी मां की पेंसिल से बनी तस्वीर देखी, जिसके बाद लड़की से मिलने के लिए उन्होंने अपने काफिले को रोकने के लिए कहा। गरीब कल्याण सम्मेलन में भाग लेने के लिए हिमाचल प्रदेश की राजधानी में मौजूद मोदी ने हाथ से उनकी मां का चित्र बनाने के लिए लड़की को धन्यवाद दिया।

लड़की ने पीएम मोदी के पैर छुए और पूछने पर बताया कि वह शिमला की रहने वाली है।

लड़की ने मोदी से कहा, 'मैंने आपका भी चित्र बनाया है।'

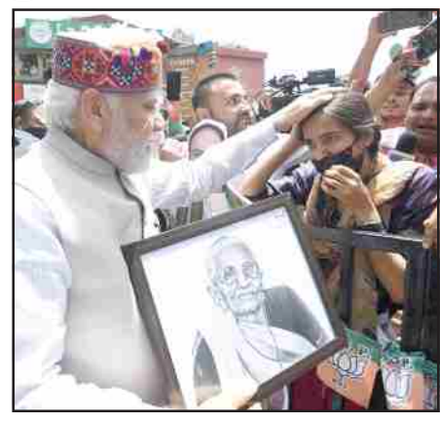

शिमला की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री का लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

लोगों ने फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा की और 'मोदी, मोदी' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए।

'भारत माता की जय' के नारों के बीच शिमला में पीएम मोदी का जोरदार स्वागत

शिमला, 31 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला पहुंचे हैं। यहां वो 'गरीब कल्याण सम्मेलन' में हिस्सा ले रहे हैं। उनके स्वागत में लोगों ने 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए।

जैसे ही वह वहां पहुंचे, लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री के काफिले के रास्ते में मौजूद महिलाओं ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया।

रोड शो के दौरान मोदी काफिले से बाहर निकले और मॉल में चहलकदमी कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। उनके साथ मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी थे।

इस दौरे का उद्देश्य पहाड़ी राज्य में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों से जोड़ कर देखा जा रहा है। गरीब कल्याण सम्मेलन प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार के आठ साल पूरे होने पर आयोजित किया गया है। इसे देश भर में राज्यों की राजधानियों, जिला मुख्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों में आयोजित किया जा रहा है। यात्रा से उत्साहित मुख्यमंत्री ठाकुर ने मीडिया से कहा, 'हम प्रधानमंत्री के आभारी हैं कि उन्होंने इस राज्य को एनडीए सरकार की आठवीं वर्षगांठ का समारोह मनाने के लिए चुना।'

उन्होंने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक घटना है जब प्रधानमंत्री 16 केंद्रीय योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत करेंगे, जिसे देश भर में 17 लाख लोग देखेंगे।'

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री केंद्र के नौ मंत्रालयों या विभागों के विभिन्न कार्यक्रमों के लाभार्थियों से सीधे संवाद करेंगे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत वित्तीय लाभ की 11वीं किस्त भी जारी करेंगे।

इससे 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को लगभग 21,000 करोड़ रुपये का हस्तांतरण हो सकेगा। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री देश भर में (पीएम-किसान) के लाभार्थियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में एक और कश्मीरी पंडित की हत्या, शिक्षिका को आतंकियों ने मारी गोली

श्रीनगर, 31 मई (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की हत्या का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा है. कुलगाम जिले में मंगलवार को आतंकवादियों ने प्रवासी कश्मीरी पंडित शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि कुलगाम जिले के गोपालपुर में रजनी बाला (36) पर आतंकवादियों ने गोली चलाई, जिससे वह घायल हो गईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रजनी बाला गोपालपुर में बतौर पर शिक्षिका तैनात थीं।

उन्होंने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शिक्षिका की हत्या को घिनौना कृत्य करार दिया। उन्होंने कहा, रजनी जम्मू संभाग के सांबा जिले की निवासी थीं। दक्षिण कश्मरी के कुलगाम में शिक्षिका के तौर पर काम कर रही थीं, एक घिनौने हमले में उनकी जान चली गई। मेरी संवेदनाएं उनके पति राज कुमार और परिवार के साथ हैं। हिंसा के कारण एक और घर तबाह हो गया।

अब्दुल्ला ने कहा, निहत्थे नागरिकों पर निशाना बनाकर किए गए हालिया हमलों की लंबी सूची में यह एक और हमला है। निंदा एवं शोक के शब्द और सरकार का आश्वासन कि स्थिति सामान्य होने तक वे चैन से नहीं बैठेंगे...सभी खोखले प्रतीत होते हैं। रजनी की आत्मा को शांति मिले।

गौरतलब है कि मई के महीने में दूसरी बार किसी कश्मीरी पंडित की हत्या की गई है। 12 मई को राहुल भट् की बडगाम जिले की चदूरा तहसील में तहसीलदार कार्यालय के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मई महीने के दौरान कश्मीर में अभी तक सात लक्षित हत्याएं की गई हैं। इनमें से चार नागरिक और तीन पुलिसकर्मी थे, जो ड्यूटी पर तैनात नहीं थे।

दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई को रिमांड पर लिया, 5 दिन करेगी पूछताछ

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में शामिल बताए जा रहे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 5 दिन की रिमांड में लिया है।

स्पेशल सेल ने बिश्नोई को तिहाड़ जेल से पूछताछ के लिए ले गई है। बता दें कि गैंगस्टर तिहाड़ जेल के स्पेशल सेल में बंद था। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई ने अपनी सुरक्षा पुख्ता करने और उसे दिल्ली की तिहाड़ जेल से बाहर नहीं भेजने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

तिहाड़ जेल के सूत्रों के मुताबिक आज दोपहर को स्पेशल सेल की टीम ने लॉरेंस बिश्नोई से दोपहर को पूछताछ की और एक पुराने केस में उसे जेल से लेकर गए और कोर्ट के जरिए उसकी कस्टडी एप्लाई की। अब लॉरेंस बिश्नोई स्पेशल सेल की कस्टडी में है, लॉरेंस का नाम पंजाबी सिंगर की हत्या से जुड़ा है।

इस केस में अब लॉरेंस से स्पेशल सेल कस्टडी में पूछताछ करेगी। इसके अलावा काला जठेड़ी और काला राणा पहले से स्पेशल सेल की कस्टडी में किसी और केस में है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल अब तीनों से पूछताछ करेगी।

प्रारंभिक जांच के आधार पर यह माना जा रहा है कि गैंगस्टर के बीच वर्चस्व की लड़ाई पंजाब म्यूजिक इंडस्ट्री में अपना-अपना सिक्का जमाने को लेकर चल रही है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि पंजाब म्यूजिक इंडस्ट्री में चल रही है वर्चस्व की यह लड़ाई, अर्मीनिया व कनाडा से संचालित हो रही है। इसमें लॉरेंस बिश्नोई के इशारे पर कनाडा में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बरार ने अपने शूटर के जरिए मूसेवाला को गोलियों से मरवा दिया था। हालांकि जांच एजेंसियों ने इस हत्याकांड पर अभी स्पष्ट तौर पर कोई बयान नहीं दिया है। जांच ओम का कहना है कि मामले की जांच अभी प्रारंभिक स्तर पर है। जांच पूरी होने के बाद ही घटनाक्रम की कड़ियां व इसका कारण साफ हो पाएगा।

आपको बता दें कि पंजाब पुलिस ने रविवार को कहा था कि गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या गिरोहों के बीच आपसी रंजिश का परिणाम है और इसमें लॉरेंस बिश्नोई गिरोह लिप्त है। मूसेवाला की रविवार को पंजाब के मानसा जिले में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

कुलगाम में कश्मीरी पंडित शिक्षिका की गोली मारकर हत्या

श्रीनगर, 31 मई (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की हत्या का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा है. कुलगाम जिले में मंगलवार को आतंकवादियों ने प्रवासी कश्मीरी पंडित शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि कुलगाम जिले के गोपालपुर में रजनी बाला (36) पर आतंकवादियों ने गोली चलाई, जिससे वह घायल हो गईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रजनी बाला गोपालपुर में बतौर पर शिक्षिका तैनात थीं।

उन्होंने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शिक्षिका की हत्या को घिनौना कृत्य करार दिया। उन्होंने कहा, रजनी जम्मू संभाग के सांबा जिले की निवासी थीं। दक्षिण कश्मरी के कुलगाम में शिक्षिका के तौर पर काम कर रही थीं, एक घिनौने हमले में उनकी जान चली गई। मेरी संवेदनाएं उनके पति राज कुमार और परिवार के साथ हैं। हिंसा के कारण एक और घर तबाह हो गया।

अब्दुल्ला ने कहा, निहत्थे नागरिकों पर निशाना बनाकर किए गए हालिया हमलों की लंबी सूची में यह एक और हमला है। निंदा एवं शोक के शब्द और सरकार का आश्वासन कि स्थिति सामान्य होने तक वे चैन से नहीं बैठेंगे...सभी खोखले प्रतीत होते हैं। रजनी की आत्मा को शांति मिले।

गौरतलब है कि मई के महीने में दूसरी बार किसी कश्मीरी पंडित की हत्या की गई है। 12 मई को राहुल भट् की बडगाम जिले की चदूरा तहसील में तहसीलदार कार्यालय के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मई महीने के दौरान कश्मीर में अभी तक सात लक्षित हत्याएं की गई हैं। इनमें से चार नागरिक और तीन पुलिसकर्मी थे, जो ड्यूटी पर तैनात नहीं थे।

बीजेपी सरकार ने किया अमेठी का विकास : स्मृति ईरानी

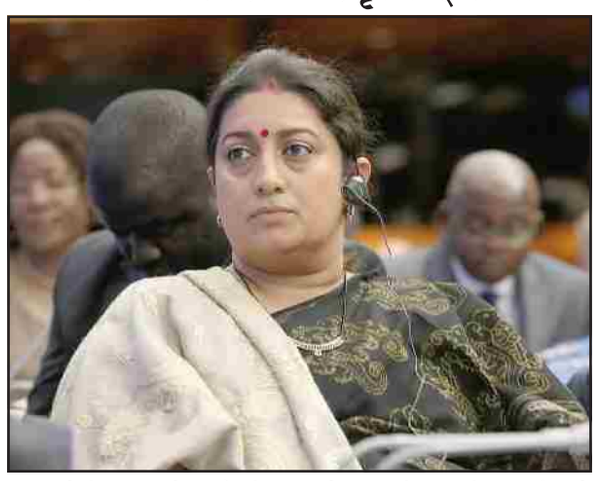

अमेठी, 31 मई (एजेन्सी)। अमेठी सांसद स्मृति ईरानी कलेक्ट्रेट परिसर में प्रधानमंत्री जन कल्याण कार्यक्रम में शामिल हुई।

यहां उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इसके बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अमेठी का सर्वांगीण विकास किया है।

केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि 2014 में वह सांसद तो नहीं बनी लेकिन जनता ने उन्हें जो ख्वयार दिया था उस के दम पर उन्होंने जो भी समस्याएं उनके सामने आई उनका निदान करने की कोशिश की। पिपरी का बांध जो पूर्व सांसद नहीं बनवा सके उसे केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद बनवाया गया।

2019 में जनता ने उन्हें अपना सांसद चुनाव और उसके बाद से लगातार जनता के बीच में बनी हुई हैं। उनके कार्यकाल में तिलोई का बस अड्डा, एयरपोर्ट, विज्ञान केंद्र जैसे तमाम स्थानीय कार्यों के साथ ही सरकार और प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं से अमेठी जनपद को आच्छादित किया जा रहा है। कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष भाजपा दुर्गेश त्रिपाठी जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने भी संबोधित किया।

राज्यसभा टिकटों पर कांग्रेस में रार जारी, अब प्रमोद कृष्णम बोले- निराश करने वाले फैसले

नई दिल्ली, 31 मई (एजेन्सी)। कांग्रेस की ओर से घोषित किए गए राज्यसभा उम्मीदवारों को लेकर पार्टी में लगातार कलह जारी है। प्रवक्ता पवन खेड़ा और नगमा के बाद अब पार्टी के नेता प्रमोद कृष्णम ने भी अब टिकट बंटवारे पर नाराजगी जाहिर की है। प्रमोद कृष्णण ने कहा, 'कुछ लोगों की शिकायतें हैं। राज्यसभा लोकतंत्र का मंदिर है। इसलिए वहां बुद्धिजीवी और अनुभवी लोगों को भेजा जाना चाहिए, जो देश के लिए काम करें और पार्टी को मजबूती दें। लेकिन जो फैसले लिए गए हैं, वे निराश करने वाले हैं।' प्रमोद कृष्णम ने कहा कि पंजाब के सांसद मनीष तिवारी एवं कुछ अन्य नेताओं ने भी इस लिस्ट पर चिंता जाहिर की है।

प्रमोद कृष्णम ने गुलाम नबी आजाद जैसे सीनियर नेताओं की उपेक्षा का भी पार्टी पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'अब तो फैसले लिए जा चुके हैं। लेकिन गुलाम नबी आजाद, तारिक अनवर, सलमान खुर्शीद और राशिद अल्वी जैसे लोग स्थापित और चर्चित नेता रहे हैं। इन लोगों का सम्मान किया जाना चाहिए था।' कांग्रेस की राज्यसभा टिकटों की लिस्ट पर राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के सलाहकार संयम लोढ़ा भी सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने बाहरी नेताओं को उतारे जाने पर कहा था कि इस सूची में ऐसा कौन नेता है, जो राजस्थान का है या फिर उसने राज्य के लिए कोई योगदान दिया हो।

दरअसल कांग्रेस की सूची में जातिगत और क्षेत्रीय समीकरणों का

ध्यान न रखने के आरोप लगाए जा रहे हैं। एक तरफ पार्टी ने इमरान प्रतापगढ़ी को महाराष्ट्र से टिकट दे दिया है तो वहीं प्रमोद तिवारी और रणदीप सुरजेवाला जैसे नेताओं को राजस्थान से हरियाणा भेजने की तैयारी है। इसके अलावा अजय माकन को हरियाणा से भेजने की तैयारी है। यही नहीं 10 नेताओं में से 5 नेता ब्राह्मण समुदाय से आते हैं, इसे लेकर भी विवाद खड़ा हो गया है। लिस्ट में एक भी नेता ओबीसी समुदाय से न होने को लेकर सवाल उठाया जा रहा है।

2024 में बीजेपी की नो एंट्री : ममता

कोलकाता, 31 मई (एजेन्सी)। लालू प्रसाद यादव के परिवार के ठिकानों पर सीबीआई के छापे के बाद ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा था। अब दिल्ली की केजरीवाल सरकार में मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी पर भी बनर्जी ने केंद्र पर हमला करते हुए केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा केंद्रीय एजेंसियों को इस्तेमाल करके विपक्ष को चुप करा देना चाहती है। क्या ये जांच एजेंसियां केवल जैन, नवाब मलिक के खिलाफ ही काम करती हैं। भाजपा के नेताओं के खिलाफ क्यों नहीं? उन्होंने कहा, केंद्र में भाजपा की सरकार मिलावटी हो गई है। इन लोगों ने देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद कर दी। नोटबंदी जैसे कदम बेकार साबित हुए। ये एक बहुत बड़ा घोटाला था।

ममता बनर्जी ने ट्विटर पर लिखा, पुरुलिया और बंगाल की धरती ने मुझे लोगों के लिए लड़ाई करने की ताकत दी ह। मैं किसी को नहीं डलती और लोगों के हित के लिए काम करती हूं। मैं अपनी पूरी ताकत से लड़ती रहूंगी। 2024 में हिंसा और घृणा की राजनीति करने वाली भाजपा की नो एंट्री हो जाएगी।

बता दें कि इन दिनों ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी रुजिरा भी केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। कोयला तस्करी मामले में उनकी जांच की जा रही है। सोमवार को अभिषेक बनर्जी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए न्यायालय को भी निशाने पर ले लिया था जिसके बाद उनके बयान की निंदा भी की गई। उन्होंने कहा था कि होई कोर्ट के एक फीसदी लोग वही करते हैं जो भाजपा कहती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com